



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 42] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 20, 1979 (आश्विन 28, 1901)
No. 42] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 20, 1979 (ASVINA 28, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० ए० 38013/1/79-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्रीमती एस० कृष्णन को राष्ट्रपति द्वारा कामिक विभाग के का० ज्ञापन सं० 33/12/73-स्था० (क), दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 30-9-1979 के अपराह्न से वाढ्यार्थ निवर्तन आयाहो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृत्ति की सहर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

एम० बालाचन्द्रन, अवर सचिव
प्रशासन प्रभारी
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं० प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1979

सं० एम-16/70-प्रशासन-5—निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर श्री एस० एन० बसु राय चौधरी, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, ने दिनांक 30-6-1979 के अपराह्न से

1-286GI/79

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

की० ला० ओवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० 11/42/79-प्रशा०-I/19788—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री हरी प्रोमकुमार लवानिया को तारीख 12 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में स्थानापन्न द्वारा प्रतिनियुक्ति पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री लवानिया का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

सं० 11/50/79-प्रशा०-I-19794—राष्ट्रपति, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत श्री एम० बी० वीरभद्र राव को जनगणना कार्य निदेशालय अरुणाचल प्रदेश, शिलांग में तारीख 26 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर, एक वर्ष की अवधि के लिये या जब तक पद निय-

(8079)

मित आधार पर भरा जाए, इनमें से जो भी अधि कम हो, सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर पदोन्नति पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री राव का मुख्यालय शिलांग में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री राव को उस ग्रेड में नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जाएंगी। नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/54/79-प्रशा०-I-19791—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री मनमोहन कृष्ण को तारीख 24 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगे आदेशों तक जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ में स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री मनमोहन कृष्ण का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

प्राधिकार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० बी० एन० पी०/सी/5/79—श्री आर० सी० अग्रवाल स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (इन्टेग्रिटी) को रुपये 650-30-740-35-810-२० रो० 35-880-40-1000-२० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) (समूह "ख" राजपत्रित) के रूप में, दिनांक 25-9-1979 (पूर्वाह्न) से तीन माह के लिये अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्ति को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिये कोई भोगाधिकारी प्रवृत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

पी० एस० शिवराम
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियन्त्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1979

सं० 1800-सी०ए०-1/66-79—अपर उप नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं और आगे आदेश दिए जाने तक प्रत्येक नाम के सामने कालम 4 में लिखित कार्यालय में कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं:—

क्रम सं०	अनुभाग अधिकारी (वा०) का नाम	कार्यालय जहां पदोन्नति से पहले कार्यरत है	कार्यालय जहां पदोन्नति के बाद लेखा-परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनात किए गए	स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की तारीख
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	ए० एल० शाह	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची।	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची।	23-6-79
2.	ए० एम० बाजवा	महालेखाकार, पंजाब	—वही—	18-7-79
3.	बी० के० चौधरी	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, नई दिल्ली।	महालेखाकार, जम्मू एवं कश्मीर	17-7-79
4.	डी० के० दत्ता	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, (कोयला), कलकत्ता।	महालेखाकार, असम आदि	19-7-79

1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
5.	के० सुब्रह्मण्यन	महालेखाकार, उड़ीसा	महालेखाकार, उड़ीसा	15-6-79
6.	टी० आर० बाला, सुब्रामानियन	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक, लेखा परीक्षा मंत्रालय ।	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, बम्बई।	11-7-79

एम० एस० ग्रोवर
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

सरकारी व्यय आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1979

सं० 1(7) ए/सी० पी० ई०/79--गृह मंत्रालय से स्थानान्तरण होने पर, गुजरात सरकार के स्थायी कर्मचारी श्री पी० जे० पटेल को 1 अगस्त, 1979 के दोपहर पूर्व से अगले आदेश होने तक, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर 775-1200 रु० के वेतनमान में सरकारी व्यय आयोग में निजी सचिव (केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के सलेक्शन ग्रेड) के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 3 सितम्बर 1979

सं० 1(8) ए/सी० पी० ई०/79--रक्षा मंत्रालय से स्थानान्तरण होने पर, उक्त मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा संवर्ग के ग्रेड "सी" (सलेक्शन ग्रेड) आशुलिपिक श्री नरेन्द्र पाल जैतली, को 22 अगस्त, 1979, के दोपहर पूर्व से अगले आदेश होने तक, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर 650-1040 रु० के वेतनमान में सरकारी व्यय आयोग में वरिष्ठ व्यक्तिगत सहायक (केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा का "बी" ग्रेड) के पद पर नियुक्त किया गया है।

यू० एस० टेकचन्दानी
अवर सचिव (प्रशासन)
सरकारी व्यय आयोग

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 24 सितम्बर 1979

सं० 18361/प्रशा० I--राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा से श्रीमती नरेश बाला गोयल का त्यागपत्र 20 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

आर० एल० बख्शी
रक्षा लेखा अवर महानियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

भारतीय आर्डनेन्स फैक्ट्रियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 14 सितम्बर, 1979

सं० 41/जी०/79--राष्ट्रपति, महोदय, निम्नलिखित अफसरों को स्थानापन्न उप प्रबन्धक-I डी० ए० डी० जी० के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख से आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं :-

- (1) श्री सुकुमार कोले, सहायक प्रबन्धक (पी) 30 जून, 1979
- (2) श्री यू० कुलश्रेष्ठा, सहायक प्रबन्धक (पी) --वही--
- (3) श्री आर० के दीक्षित, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक --वही--
- (4) श्री लक्ष्मण कुमार, सहायक प्रबन्धक (पी) --वही--
- (5) श्री आर० पी० नायर, सहायक प्रबन्धक (पी) --वही--
- (6) श्री आई० बी० डी० गुप्ता, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक --वही--
- (7) श्री पी० के० भौमिक, सहायक प्रबन्धक (पी) --वही--
- (8) श्री नन्द कुमार, सहायक प्रबन्धक (पी) --वही--
- (9) श्री भूप सिंह, सहायक प्रबन्धक (पी) --वही--
- (10) श्री ए० के० सुरेन्द्रन, सहायक प्रबन्धक (पी) --वही--
- (11) श्रीमती शशी चतुर्वेदी, सहायक प्रबन्धक (पी) --वही--

सं० 42/जी०/79--राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफसरों को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक-I डी० ए० एस० ओ० के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख से आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

सर्वश्री :

- (1) टी० आर० सिब्बोल, स्थायी फोरमैन 30 जून, 1979
- (2) ए० के० घोष, दस्तदार, स्थायी फोरमैन --वही--
- (3) पी० बी० जाचारिया, स्थायी फोरमैन --वही--

(4) बच्चन सिंह, स्थायी फोरमैन	30 जून 1979
(5) ए० के० दे० सरकार, स्थायी फोरमैन	—वही—
(6) के० एम० सम्पत, स्थायी फोरमैन	—वही—
(7) ए० के० विजयन, स्थायी फोरमैन	—वही—
(8) आर० टी० हरिभट्ट, स्थायी फोरमैन	—वही—
(9) आर० पी० मूर्ति, स्थायी फोरमैन	—वही—
(10) एम० आर० राय, स्थायी एस० ए०	—वही—
(11) एस० पी० शर्मा, स्थायी फोरमैन	—वही—
(12) के० के० पाल, स्थायी फोरमैन	—वही—
(13) के० के० भट्टा, स्थायी फोरमैन	—वही—
(14) आर० बैंकटेशन, स्थानापन्न फोरमैन	—वही—
(15) श्रीमती निभादेव, स्थायी एस० ए०	—वही—
(16) श्री एस० एन० दे, स्थानापन्न फोरमैन	—वही—
(17) श्री एच० एस० सेधालिया, स्थानापन्न फोरमैन	—वही—

वी० के० मेहता

सहायक महानिदेशक आड्वेनेन्स फीक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1979

आयात-निर्यात व्यापार नियन्त्रण स्थापना

सं० 6/599/60-प्रशासन(राज०)/6989—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य-नियन्त्रक, आयात-निर्यात कार्यालय कलकत्ता में श्री अजीत कुमार बोस, स्थानापन्न नियन्त्रक, आयात-निर्यात ने 31 अगस्त, 1979 के दोहरे बाद से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० एस० आर्य

उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

हुते मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 सितम्बर 1979

सं० ए०-19018(384)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्र-पति जी, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्ली के लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री आर० सी० चतरथ को दिनांक 31 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान बम्बई में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018(402)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्र-पति जी, श्री दिलीप कुमार को दिनांक 30 जुलाई, 1979

(पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त
उप निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1979

सं० ए-17011/160-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान निदेशक बम्बई के कार्यालय में अस्थाई अवसर क्षेत्र अधिकारी श्री जी० जी० डे को दिनांक 7-9-79 के अपराह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में पूर्णतः तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० ए-17011/159-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री एम० सुब्रामणियन को दिनांक 27-8-79 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 27 सितम्बर, 1979

सं० ए-17011/156-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान निदेशक मद्रास के कार्यालय में अस्थाई अवसर प्रगति अधिकारी श्री नन्वनत को दिनांक 16-8-79 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण, निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० ए-17011/160-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में अवसर प्रगति अधिकारी श्री टी० डी० सिंह को दिनांक 31 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक जमशेदपुर निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)

हुते, महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० ए-17011/153-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में भण्डार

परीक्षक (वस्त्र) श्री सुनीत कुमार शर्मा, को दिन 16-8-79 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी ह तक तदर्थ आधार पर मद्रास निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

कृष्ण किशोर
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1979

सं० प्र० 6/247(496)—इस कार्यालय की दिनांक 21-6-76 की अधिसूचना सं० प्र०-6/76(4)/58/15 में क्रम संख्या 28 पर श्री डी० बी० जैन के नाम के सामने किये गये इन्दराज के आंशिक संशोधन में राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कन्ध के अधिकारी श्री डी० बी० जन को दिनांक 27-8-66 (अपराह्न) से भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड III की इन्जीनियरी शाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण/अधिकारी (इन्जीनियरी) के स्थाई पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं। दिनांक 27-8-66 (अपराह्न) से 5-4-70 की अवधि में श्री जैन को उनकी पुष्टि के लिये पूर्ति और पूनर्वास मंत्रालय (पूर्ति विभाग) के दिनांक 31-3-78 के पत्र संख्या ए-31019/2/72-स्थापना-II (भाग-II) के अधीन सृजित अतिरिक्त पद के मुद्दे संमजित किया जायेगा।

कृष्ण किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन)

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० 4-164/79/स्थापना—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, डा० (श्रीमती) सुषमा जसब्राल को 5 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक अस्थायी रूप में इस सर्वेक्षण के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, शिलांग में सहायक मानव-विज्ञानी (भौतिक) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थामस
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1979

सं० 12025/1/79-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री जे० सी० खुराना को सीनियर आर्टिस्ट के पद पर

अस्थायी रूप में 17 सितम्बर, 1979 से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1979

सं० ए-12025/7/76-प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्रीमती पी० के० कथियानी को 20 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उपचर्या सलाहकार के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

2. श्रीमती पी० के० कथियानी की उपचर्या सलाहकार के पद पर नियुक्ति के फलस्वरूप श्रीमती आर० के० सूद ने 20 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय से उपचर्या सलाहकार के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उनका उसी दिन अर्थात् 20 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से उनका उपचर्या अधिकारी के पद पर पदयावर्तन हो गया।

सं० ए० 12023/2/77-(जे० आई० पी०)/प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्री ब्रज किशोर प्रसाद को 20 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी, में उप निदेशक (प्रशासन) के पद पर स्थानापन्न आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 38012/3/79-(एच० क्यू०)/प्रशासन-I—सेवा-निवृत्ति की आयु के हो जाने के फलस्वरूप स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक प्रशासन श्री आर० डी० गर्ग 31 अगस्त, 1979 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० ए० 12025/3/76-(जिप)/प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने डा० एस० कासीनाथन को 29 जुलाई, 1978 से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी में जन्तु-विज्ञान के लेक्चरर के पद पर स्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 28 सितम्बर 1979

सं० ए० 19023/58/78-प्र- —इस निदेशालय में विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को 31-12-79 तक या जब तक

नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है :—

1. श्री एस० बी० चक्रवर्ती
2. श्री एस० वी० कृष्णमूर्ति
3. श्री आर० वी० कुरुप
4. श्री एस० डी० फड़के

बी० एन० मनिलार,
निदेशक प्रशासन
कृषि विपणन सलाहकार,

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० पी० पी० ई० डी/3(262)/76 प्रशासन-1/4268—
विद्युत प्रायोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक एतद्वारा इस प्रभाग के स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक श्री एन० टी वारवानी को सितंबर, 24, 1979 के पूर्वाह्न से 8 नवम्बर 1979, तक के लिये उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री के० संकरन कुट्टी के स्थान पर की जा रही है जिन्हें प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिये भेजा गया है।

व० वि० थत्ते,
प्रशासन अधिकारी

नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरीरा, दिनांक 27 सितम्बर 1979

सं० त० प० वि० प०/प्रशा०/1(152)/79-एस/10909—
नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता श्री मेहुदी इमाम को दिनांक 5 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक के लिये, औद्योगिक सम्पर्क अधिकारी, के पद पर स्थानापन्न रूप में रु० 840-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन,
प्रशासन अधिकारी
कृषि मुख्य परियोजना अभियन्ता

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 1 सितम्बर 1979

सं० डी० पी० एस०/2(25)/77-प्रशासन/22991—
निदेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बाबू ठोंडोपन्त कवीश्वर, स्थाई लेखाकार, तथा प्रभारी सहायक लेखा अधिकारी को, इस निदेशालय की मद्रास क्षेत्रीय लेखा यूनिट में लेखा अधिकारी के पद पर रुपये 840-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 31 जुलाई, 1979

(पूर्वाह्न) से श्रीमती बी० शकुन्तला की सेवायें प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर वाणिज्य मन्त्रालय के अधीन होने के कारण, अग्रिम आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ,
प्रशासन अधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० डी० पी० एस० 23/8/77-स्थापना/29652—
निदेशक, क्रय और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग इस निदेशालय के निम्नलिखित सहायक लेखाकारों को स्थानापन्न रूप से, रुपये 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960 के वेतन क्रम में तदर्थ रूप में इसी निदेशालय में, उनके नाम के सामने अंकित तिथियों तक नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	नाम
1. श्री ए० एम० पारूलकर	29-3-79 से 30-4-79 तक
2. श्री वी० वी० सावन्त	21-5-79 से 22-6-79 तक

सी० वी० गोपालकृष्णन,
सहायक कार्मिक अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 21 सितम्बर 1979

सं० प० ख० प्र०-1/29/78 प्रशासन—परमाणु, ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री अरविन्द बालासाहब आवती को परमाणु खनिज प्रभाग में 3 मई, 1979 की पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० प० ख० प्र०-1/13/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री जी० जी० जोसफ, को परमाणु खनिज प्रभाग में 5 सितम्बर, 1979 की अपराह्न से लेकर आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० ई०(1)00803—राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के श्री वी० पी० काम्बले, स्थानापन्न मौसम

विज्ञानी श्रेणी-I, को दिनांक 27-8-1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप में प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर का निदेशक नियुक्त करते हैं।

एस० के० दास,
मौसम विज्ञान के उप-महानिदेशक
(प्रशासन और भण्डार)

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1979

सं० ए०-32013/10/79-ई-I—महानिदेशक नागर विमानन इस विभाग के स्थायी लेखापाल श्री एस० आर० भाटिया को 1 सितम्बर, 1979 से 49 दिन की अवधि के लिये नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री पी० आर० लरोइया के स्थान पर की गई है, जिन्हें अजित छट्टियां मंजूर की गई हैं।

सी० के० वत्स,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1979

सं० ए०-39013/7/79-ई० ए०—श्री ए० के० शर्मा, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी, बम्बई एयरपोर्ट ने दिनांक 28-8-1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से त्याग-पत्र दे दिया है।

बी० बी० जौहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० 16/335/79-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री पी० नारायणभण्पा को वन अनुसंधान प्रयोगशाला, बंगलूर में दिनांक 27 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरवयाल मोहन,
कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

पटना, दिनांक 24 सितम्बर 1979

सं० 11(7)/2-स्था०/79/12361—इस समाहर्तालय के निम्नलिखित स्थानापन्न/स्थायी अधीक्षक, समूह 'ख' अपनी सेवा की आयु पूरी कर उनके नाम के सामने दिखाये गये तारीख अनुसार सेवा निवृत्त हुए।

क्रम सं०	नाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
1	2	3
	सर्व श्री	
1.	जगनारायण प्रसाद	31-10-78 (अपराह्न)
2.	डी० एन० सिंह	30-11-78 (अपराह्न)

1	2	3
3.	मो० एन० हसन	31-1-79 (अपराह्न)
4.	पी० आर० शर्मा	31-1-79 (अपराह्न)
5.	एन० एन० सिन्हा	31-1-79 (अपराह्न)
6.	जी० एन० वर्मा	31-1-79 (अपराह्न)
7.	बी० एन० पी० सिन्हा	31-1-79 (अपराह्न)
8.	कुशेश्वर प्रसाद वर्मा	28-2-79 (अपराह्न)
9.	बी० डी० चौधरी	28-2-79 (अपराह्न)
10.	एम० प्रधान	31-3-79 (अपराह्न)
11.	सी० डी० नाथ	30-4-79 (अपराह्न)
12.	के० एन० प्रसाद	31-5-79 (अपराह्न)
13.	आर० पी० तिवारी	31-8-79 (अपराह्न)

डी० के० सरकार
समाहर्ता

मद्रास-1, दिनांक 18 सितम्बर 1979

सीमाशुल्क/स्थापना

सं० 4/79—श्री आर० एन० विस्वनाथ को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 31-8-79 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक अस्थायी रूप से सीमाशुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैसर-विशेषज्ञ नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

ऐ० सी० सलदाना
सीमा शुल्क समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क
तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर 1979

सं० 9/79—श्री आर० के० कपूर-I, ने, जो पहले राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय में, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के सहायक समाहर्ता के पद पर कार्य कर रहे थे, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के आदेश सं० 166/77, दिनांक 11-9-79 के (पा० सं० ए० 22012/36/79-प्रशा०-II द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में स्थानान्तरण होने पर, दिनांक 12 सितम्बर, 1979 के (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "क" के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

व्या सागर,
निरीक्षण निदेशक

मध्य रेलवे

बम्बई वी० टी०, दिनांक 10 सितम्बर 1979

सं० एच० पी० बी० 220/जी०/आई०/टी० सी० — निम्न-लिखित अधिकारियों को भारतीय रेलें यातायात सेवा के वरिष्ठ वेतनमान में उनके नाम के सामने अंकित तारीख से स्थायी किया जाता है:—

क्रम सं०	नाम	स्थायीकरण की तारीख	
		अनन्तिम	अंतिम
1.	श्री एस० के० अग्रवाल	19-2-1970	1-9-1971
2.	श्री एस० एन० शर्मा	1-9-1971	1-9-1971
3.	श्री आर० के० शर्मा		1-11-72
4.	श्री एस० के० सिंह		21-5-1973
5.	श्री बी० के० वर्मा		5-3-1975
6.	श्री सी० एम० खोसला		5-3-1975
7.	श्री पी० सी० जोहरी		1-7-1975
8.	श्री धिजय कुमार		23-8-1975
9.	श्री आर० सी० सक्सेना		1-10-1975
10.	श्री वी० के० सिन्हा		1-12-1975
11.	श्री एम० सी० कपूर		1-5-1976
12.	श्री आर० एल० सेठ		2-8-1976
13.	श्री सुशील कुमार		1-10-1976
14.	श्री टी० कुमार दास		1-5-1977
15.	श्री सत्येन्द्र कुमार		1-7-1977
16.	श्री एस० पी० शर्मा		30-11-1977

कृष्ण चन्द्र,
महा प्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चन्द्र गुप्ता प्रकाशन

लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 26 सितम्बर 1979

सं० (407) 560/78-79/3263—कम्पनी अधिनियम 1950 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसार एतद-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर चन्द्र गुप्ता, प्रकाशन लिमिटेड का नाम इसके प्रति-कूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

पी० के० चटर्जी,
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना तथा उमा इनवेस्टमेंट प्रा० लिमिटेड

बम्बई, दिनांक 27 सितम्बर 1979

सं० 13110/Liquidation (समापन)—सिविल अर्जी सं० 22-4-76 में महाराष्ट्र में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 23-7-1976 के आदेश द्वारा उमा इनवेस्टमेंट प्रा० लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

ह० अपठनीय
कम्पनियों के सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पोतदार

एजेन्सीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर-474009, दिनांक 27 सितम्बर 1979

सं० 790/लिक्वि०/3328—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पोतदार एजेन्सीज प्राइवेट लिमिटेड (परिसमापन) का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,
कम्पनी रजिस्ट्रार

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० ए० न्यू०/1/एस०आर०-III/940/1-79/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव गदमपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-1-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविकता से अधिक नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—286GI/79

1. श्री मांगे राम पुत्र बुध राम
पता : 35, युसफ सराय, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री बहादुर सिंह पुत्र बिशन सिंह
गांव, गदमपुर, नई दिल्ली ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 बीघा 16 बिस्वा, खसरा नं० 276/2,
गांव गदमपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

कु० अंजनी ओजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख 22-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०-1/एस० आर०-III/ 974/जून-79/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमी है तथा जो गांव गदमपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-1-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रयत्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात :—

1. श्री भीर सिंह, खिली राम और लखी राम सुपुल श्री चन्द्रगी, पता मोहम्मदपुर, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री बहादुर सिंह सुपुल स० बिशन सिंह भारकत स० करतार सिंह पोल्हरी फार्म, गदमपुर, नई दिल्ली
(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

प्रमुखी

कृषि भूमि 10 बीघा 12 बिस्वा, खसरा नं० 226 (4-16), 225 (4-16), 276(1-0) स्थित गांव गदमपुर, नई दिल्ली ।

कु० अंजनी ओजा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, दिल्ली

तारीख 22-9-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०आर०-III/930/
1-79/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मकम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा गांव गदमपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिश्रित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण ने हुई सिली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी घन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब 6 अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती भाग्यवती, भरत सिंह शांती, धर्म सिंह, चमेली, दिवान सिंह और हीरा बती पत्नी अतर सिंह कोटला, मुबारकपुर, नई दिल्ली
जरीय मुस्तयार श्री दयाराम
गांव गदमपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री लखबीर सिंह पुत्र अमीर सिंह
गांव गदमपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त मॉसल के अर्जन क संबंध में कोई भी पाश्र्वेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 बीघा 4 बिस्वा, खसरा नं० 227, गांव गदमपुर, तहसील, मेहरौली, नई दिल्ली।

कु० अंजनी ओजा

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 22-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/
1-79/931/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव गदमपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुगुण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय भी बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या बा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—:

1. भीम सिंह पुत्र झंडू सिंह और शिव नारायण पुत्र झंडू सिंह गांव ख्याला, नई दिल्ली।
जरिये मुक्तयार श्री ब्याराम, गांव गदमपुर, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री लखबीर सिंह पुत्र अमीर सिंह
पता: गांव गदमपुर, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 विघा 98 बिस्वा, खसरा नं० 212, स्थित गांव गदमपुर, सहैल, मेहरोली, नई दिल्ली।

कु० अंजनी ओजा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली

तारीख 22-9-1979
मोहर:

प्रकृप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1,

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस०आर०-III/
1-79/947/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव गद पुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-1-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अतः स मुझे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के आयोक्त में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मांगे राम पुत्र बुध राम, यूसफ सराय,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री लखबीर सिंह पुत्र श्री अमीर सिंह, गांव गदयपुर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, 4 बीघा 16 बिस्वा खसरा नं० 213/1(2-8)
213/2, (2-8), स्थित गांव गदयपुर, तहसील मैहरोली,
नई दिल्ली।

कु० अंजनी ओजा

सख्त प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 22-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० ए०/ए०/आर०/984/
जन०-79/78-79—अतः मुझे, कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव गदयपुर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जनवरी, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिख में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) पृथी सिंह पुत्र फनन,
(2) रघबीर सिंह
(3) अन्त राम
(4) राम स्वरूप पुत्र पृथी
(5) अन्तो देवी पत्नी मनेहरो (1/6 हिस्सा)
(6) श्रीमती बोहती पत्नी मोहर सिंह (1/6 हिस्सा)
(7) श्रीमती बिरमा पत्नी हुकम सिंह (1/6 हिस्सा)
(8) श्रीमती चमेली पत्नी सीस राम (1/6 हिस्सा)
(9) फूल बती (1/6 हिस्सा)
(10) कशोराम
(11) दया चन्द और विजय सिंह (1/6)
गांव उदयपुर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुनवन्ती पत्नी नानक राम, गांव गदयपुर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 बीघा 12 बिस्वा खसरा नं० 581/1, 581/2,
582/2, स्थित गांव गदयपुर, नई दिल्ली ।

कु० अंजनी ओजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 22-9-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I, दिल्ली-1

4/14क, आमफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 22 मितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एम०आर०-III
965/1-79/78-79—अन: मुझे, कु० अंजनी ओजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव चन्दन होला, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

धन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रानी खान और मोहम्मद खान पुत्र मुदारी,
गांव चन्दन होला, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मुभाष चोपड़ा, सुनील चोपड़ा, एशा चोपड़ा और
कुमकुम चोपड़ा 2-ए, मैटकाफ रोड, दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 14 दीघा खसरा नं० 136(5-0), 137(4-10),
स्थित गांव चन्दन होला, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

कु० अंजनी ओजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

धारा 177A

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 16 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए०एम०आर०/79-80/102—अतः मुझे,
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो सुलतानविड़, तरन तारन
रोड पर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जनवरी, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण बिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) पक्षरग से हुई किसी राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री महिन्द्र सिंह, मविन्द्र सिंह और रजिन्द्र सिंह, गुरदेव
सिंह पुत्रान सं० बमोटा सिंह, निवासी निजामपुर,
जिला अमृतसर । (अन्तरक)
2. सर्वश्री बलवन्त सिंह, दलबीर सिंह और अजैब सिंह
पुत्रान सं० सुन्दर सिंह, निवासी चौक बाबा भोड़ी वाला
मकान नं० 2588/5, अमृतसर । (अन्तरिती)
3. जमाकि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्तारी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशयः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तारी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उन प्रधाय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1625 वर्गगज है
जो कि सुलतानविड़ तरन तारन रोड, अमृतसर में स्थित है
जैमाकि सेल डीड नं० 3752/1, दिनांक 11-1-79 आफ
रजिस्ट्रींग अधाविटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-8-1979

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/79-80/143—अतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जोकि सुलतान विड रोड, तरन तारन रोड पर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरण (प्रन्तरकों) और प्रारितों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए न तो कोई निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या प्रन्तरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्ति:—

3—286 GI/79

1. सं० घसीट सिंह पुत्र म० मान सिंह
निवासी निजामपुर जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री बलवल्ल सिंह, हलवीर सिंह और अजीब सिंह पुत्रान म० सुन्दर सिंह, निवासी अमृतसर चौक बाबा भोड़ी वाला, मकान नं० 2588/5, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊार सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अभिधोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति जो जायदाद में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेंट के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेंट के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शमीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1025 वर्ग गज है जोकि सुलतानपुर विड, तरन तारन रोड, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सल डीड नं० 3751/1, दिनांक 11-1-79 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज I, अमृतसर

तारीख : 16-8-1979

मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 अगस्त 1979

निदेश सं० टी०टी०/79-80/144—अतः मुझे एम० एल० महाजन

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कि गांव खान राजयादा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय को बाबा उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1. श्रीमती चान्द कौर पुत्री श्री गन्डा सिंह,
निवासी गांव खान, राजयादा, तहसील तरन तारन।
(अन्तरक)

2. श्री मुखदेव सिंह पुत्र सं० मेवा सिंह गांव खान राजयादा
तहसील तरन तारन।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 32 कनाल है जोकि गांव खान राजयादा तहसील तरन तारन में स्थित है जैसा कि सैल डीड नं० 5892 दिनांक 30-1-79 आफ रजिस्ट्रींग अध्यायिनी तरन तारन के कार्यालय में है।

एम० एल० महाजन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 18-8-79
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अगस्त 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/78-79/145—अतः मुझे, एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट जो कि सरकुलर रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरिन्द्र कुमार सहगल, पुत्र श्री शोरी लाल 92, कैनेती एवन्यू, अमृतसर : (अन्तरक)

2. श्री शाम सुन्दर पुत्र श्री गौरी शंकर, कटरा और कूषा, भाई सन्त सिंह, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाजोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 458.2 वर्ग मीटर है जो कि सरकुलर रोड, अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में शहर के कार्यालय में लिखा है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-8-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए०एस०आर०/78-79/146—अतः मुझे एम०

ए० महाजन

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो सरकुलर
रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
सम्बन्ध प्रमाण पर प्रतिष्ठित है और अन्तरण (अन्तरणों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
निम्नलिखित म वास्तविक रूप में दर्जित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न हुई किसी प्राय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी उन या अन्य प्राप्ति को
को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सुरेन्द्र कुमार पुत्र शोरी लाल,
92, कैनेडी, एवेन्यू, अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री इन्द्र जीत सिंह, पुत्र गुरजीत सिंह,
18, अलबर्ट रोड, अमृतसर ।

(अन्तरित)।

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कि कोई किरायेदार है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 458.2 स्क्वायर गज है जो
सरकुलर रोड, पर है जैसा कि रजिस्टर नं० 4035 दिनांक
31-1-78 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अचारिटी अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख: 20-8-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/78-79/147—अतः, मुझे, एम० एल० महाजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक प्लाट छपई रोड, पर है तथा जो.....में स्थित है (और इससे उपान्वद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत्त है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. श्री मेहर सिंह व तरलोक सिंह पुत्र सुन्दर सिंह, निवासी 475 गरीन औबीनियु, अमृतसर ।
(अन्तरक)

2. श्री भजन लाल पुत्र अमर नाथ, प्रो० म० अलाइंस ट्रेडिंग कम्पनी, गली नं० 3, पुतली घर, अमृतसर ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 और कोई किरायेदार हो ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लाट छपई रोड, डेग गन्त अमृतसर जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 4039/I दिनांक 31-1-79 आफ रजिस्ट्रिंग अथारिटी अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 24-8-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/79-80/148—अतः, मुझे, एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक मारत कटरा शेर सिंह है तथा जो..... में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी याव या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्यारा लाल मोहन लाल पुत्र परस राम निवासी 34, न्यू टेलीफोन एक्सचेंज, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री अमर नाथ पुत्र श्री हाकम राय खैराती, श्री बलदेव राज पुत्र अमरनाथ निवासी 92, कटरा जैमल सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 और कोई किरायेदार है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई और व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी रकबा, 114 वर्ग मीटर, कटरा शेर सिंह में जैसा कि मेल डीड नं० 3665/I, दिनांक 1-9-79 आक रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 27-8-79
मोहर :

प्रारूप धार्मिक टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/79-80/149—अतः, मुम, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक बिल्डिंग कटरा शेर सिंह अमृतसर है, तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती स्नेह लता पत्नी तरलोक चन्द्र और श्रीमती रमेश कुमारी पत्नी श्री जगदीश चन्द्र निवासी 1563/8, बाजार नमक मण्डी, अमृतसर । (अन्तरक)

2. श्री मुकेश चन्द्र सुपुत्र राम लाल और शंकर लाल पुत्र देवी लाल निवासी 109, कटरा जैमल सिंह, अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक बिल्डिंग कटरा शेर सिंह में क्षेत्रफल 114 वर्ग मीटर जैसा कि सैल डीड नं० 3664/I, दिनांक 5-1-79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 27-8-79
मोहर :

प्रारूप आदेश-टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/150—अतः, मुझे,
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी प्लॉट आफ लैण्ड है तथा जो सुलतान सिंह रोड, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर सिटी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये उद्योग पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
जो दावा जाता चाहिए था, विधान में सुविधा के लिये;

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मतवन्त कौर पत्नि करतार सिंह
निवासी-माजीठा तहसील, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स इतफाक फोन्डरी इस्ट मोहन नगर
अमृतसर।

3. जैसा कि सं० 2 ऊपर और कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदेश :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद
में सम्पन्न होती हो, के भीतर प्रभावित व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट क्षेत्रफल 1708.33 वर्ग मीटर जो सुलतान विंड
रोड पर जैसा कि सैल डीड नं० 3629/I दिनांक 2-1-79
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 27-8-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० एस०आर०/79अ980अ/152—अतः मुझे एम० एल० महाजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट है तथा जो सुलतान सिंह रोड पर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—286 GI/79

1. श्रीमती जसवन्त कौर पत्नि श्री करतार सिंह, निवासी मजीठा, अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. मै० इतफाक फाउन्डरी, वर्क्स, ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट क्षेत्रफल 1708.33 वर्ग मीटर, सुलतान सिंह रोड, जैसा कि सेल डीड नं० 3792/I. दिनांक 15-1-79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में दर्ज है ?

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 27-8-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/152—यतः मुझे,
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट आफ लैण्ड है तथा जो मुलतान सिंह रोड
पर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वर्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से ऐसे
वर्तमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय को वापस उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुलवन्त कौर, पति श्री मोहन सिंह निवासी
मजीठा तहसील, अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. मै० खिरी बोखिन्ज इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०
ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जेहाकि ऊपर सं० 2 और कोई किरायेदार है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट क्षेत्रफल 2333.33 वर्ग मीटर, मुलतान सिंह
रोड, जैसा कि सैल डोड नं० 3630/I दिनांक 2-1-79 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 27-8-1979

मोहर :

प्रत्येक भाई० टी० एन० एस०—

(1) Smt. Kulwant Kaur, w/o S. Mohan Singh,
r/o Majitha, Tehsil Amritsar.

(Transferor)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० एम०आर०/79-80/153—प्रतः मुझे,
एम० एल० महाजनप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
तरफात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी संप्लॉट आफ लेण्ड है तथा जो सुलतान सिंह रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे अपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी, 1979 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था;
छिपाने में सुविधा के लिए;प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(2) S. Tarlok Singh s/o S. Shad Singh,
Harbans Singh, Ajaib Singh, Anup Singh, ss/o
Tarlok Singh,
r/o Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferees)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property](4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट सुलतान सिंह रोड पर क्षेत्रफल 1937.50
वर्ग मीटर, जैसाकि सैल डीड नं० 3791/I, दिनांक 15-1-79
को रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में दर्ज है।एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रेंज, अमृतसरतारीख: 27-8-79
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अगस्त 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/154—अतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट का टुकड़ा, धुनी चन्द रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पृथ्वीपाल सिंह पुत्र मेजर हरनाम सिंह
44, शाहीद भगत सिंह रोड, 54 एम० जी० रोड,
आनन्द बाजार, आगरा यू० पी० । (अन्तरक)
2. श्री बंशो लाल पुत्र गोपीराम कटरा शेर सिंह,
शास्त्री भवन, अमृतसर । (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में है यदि कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट का टुकड़ा नं० 14, राज बहादुर धुनीचन्द रोड, अमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 934/1, दिनांक 24-1-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है ।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30-8-79
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निर्देश [सं० पीकेटी०/79-80/155—अतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि गांव दोलतपुर, पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती सावित्री देवी, मिशन रोड, पठानकोट।
(अन्तरक)

2. श्री भगवान दास पुत्र राम लाल,
ढोकी तहसील, गुरदासपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 पर और कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 2 कनाल, दोलतपुर गांव, पठानकोट में जैसा कि सैल डीज नं० 2920, दिनांक 11-1-79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 4-9-1979
मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 मितम्बर 1979

निदेश सं० एएसआर०/79-80/156—अतः, मुझे, एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन, बजार जोरा पोपल, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रेशन, अधिनियम 1908 (1909 का 16) के अधीन जनवरी, 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रभावित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुचि नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या क्रिमी धन या धन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमरजीत सिंह चावला पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह और विरेन्द्र सिंह चावला, पुत्रगण जोगिन्दर सिंह ।
(अन्तरक)

2. श्री किशन चन्द पुत्र मुन्दर दाम और दर्शनलाल पुत्र रखा मल
निवासी : 116, सक्तीनगर, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में है यदि कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखना हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान नं० 243 और 247/7, कटरा गर्भा सिंह बाजार जोरा पोपल, अमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 3650/1, दिनांक 5-1-79 और रजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 4-9-79

मोहर :

प्रकाशित ०००० एम० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 मितम्बर 1979

निदेश सं० ए० एम० एम०/79-80/157--यतः, मुझे,
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग प्रापटी, मजीठ मंडी, अमृतसर में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन
जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से पूर्व किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1 श्रीमती स्वर्णजीत कौर पत्नी प्रितपाल सिंह
निवासी जी० आई० 1032, सरोजनी नगर, दिल्ली,
हरजीत सिंह मुक्तयार ग्राम
(अन्तरक)

2. श्रीमती आशारानी पत्नी कन्ज लाल
निवासी ई० ए० 430 कृष्णा नगर, जालंधर सिटी।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में यदि कोई व्यक्ति किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

1 सम्पत्ति नं० 336/1, मजीठ मंडी, अमृतसर में
जैसा कि सैल डीड नं० 3746/I दिनांक, 11-1-79 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 4-9-1979

मोहर:

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निर्देश सं० एएसआर०/79-80/158—अतः, मुझे,
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा मकान मजीठ मन्डी, अमृतसर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भण्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरजीत सिंह पुत्र निक्का सिंह
निवासी 2/101, रूप नगर, देहली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राधा रानी, पत्नी कश्मीरी लाल
2-ए, न्यू, गोविन्दगढ़, जालन्धर सिटी।

(अन्तरिणी)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो
तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 मकान नं० 336/6 बाजार मजीठ मन्डी, अमृतसर
जैसा कि सैल डीड नं० 3745/I, दिनांक 12-1-79
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-9-1979

मोहर :

प्राकृत्य आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एएसआर०/79-80/159—अतः, मुझे,
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० एक मकान भगतां वाला गेट, अमृतसर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
5-286GI/79

1. श्री बुध सिंह सुनुन बिशन सिंह और हरबन्स सिंह पुत्र
बिशन सिंह ठाब वस्ती राम, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री अमरीक सिंह सुनुन अजीत सिंह
निवासी 63, सन्त नगर, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में और कोई किरायेदार ही।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोदस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापटी भगतां वाला गेट, अमृतसर में है जैसा कि
सैल डीड नं० 3941/I, दिनांक 24-1-79 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-9-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निदेश सं० एएसआर०/79-80/160—अतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एकसिड भगतां वाला गेट, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, दिनांक 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बुध सिंह पुत्र विश्वसिंह और हरबन्ध सिंह पुत्र बुध सिंह निवासी : धा वस्ती राम, अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री अजीत सिंह पुत्र भगत सिंह

निवासी : 63, सन्त नगर, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किरायेदार हो तो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति, इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान भगतां वाला गेट, नियर : सन्त नगर, अमृतसर
रजिस्ट्रीकृत नं० 4155/1, दिनांक 13-2-79 रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर में है ।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० एसआर०/79-80/161—अतः, मुझे,
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक डबल स्टोरी मकान धारीवाल, में स्थित
है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कर्मा
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :-

1. श्री व्यासदेव पुत्र राम सरन दास
धारीवाल, त० गुरदासपुर । (अन्तरक)

2. श्री देवी सरन पुत्र जगदीश राज धारीवाल,
त० गुरदासपुर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में है यदि कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसे अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बाध 6670 पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
पक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसू 1

एक डबल स्टोरी मकान ऐरिया 10 मरला धारीवाल त०
गुरदासपुर में है और रजिस्ट्रीकृत नं० 6670, दिनांक 28-1-79
रजिस्ट्री अधिकारी गुरदासपुर में है ।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-9-1979
मोहर :

प्रकृष आई टी एन एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अगस्त 1979

निवेश सं० एएसआर०/79-80/162—यतः, मुझे,
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एक प्लॉट बटाला रोड, अमृतसर में स्थित है
(और इसका उदात्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 79
की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मर्यादित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
संस्थापित गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया गया या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती पुष्पावती विधवा, दुर्गा दास
कैन्ट, अमृतसर। (अन्तरक)

2. सार्दकिलोजीशन हेल्थ सेन्टर,
बटाला रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 है यदि कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट का टुकड़ा, जोकि 1082 गज और रजिस्ट्रीकृत
नं० 3712/1, दिनांक 9-1-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर
शहर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-9-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निदेश सं ए० एस० आर०/79-80/163—अतः, मुझे,
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट जोकि बटाला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री धर्मपाल पुत्र दुर्गा दास अमृतसर, 15 कैन्ट,
अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. साईकिलोजीशन हेल्थ सेन्टर
बटाला रोड, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक टुकड़ा जोकि 1082 स्क्वायर गज बटाला रोड,
अमृतसर में स्थित है और रजिस्ट्रीकृत नं० 3711/1, दिनांक
9-1-79 और रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है ।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-9-79

मोहर :

प्रा.सू.प्रा.ई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अगस्त 1979

निदेश सं० ए०एस०आर०/79-80/164—यतः, मुझे, एम० एल० महाजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एक प्लाट सुलतान सिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय थाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. सं० हरजीत सिंह पुत्र गुरचरन सिंह
मकान नं० 6 तेज नगर, सुलतान सिंह रोड,
अमृतसर । (अन्तरक)
2. सं० अमरजीत सिंह सुपुत्र प्रीतम सिंह
मकान नं० 2392/5, चौक माना सिंह, अमृतसर ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 पर और कोई किरायेदार हो तो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति, इसमें रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लाट क्षेत्रफल 785 वर्ग गज सुलतान सिंह रोड, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सैल डीड नं० 3762/I, दिनांक 11/12-1-79 आफ रजिस्ट्रार अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० अमृतसर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-9-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
द्वारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अगस्त 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/165—यतः, मुझे,
एम० एल० महाजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट सुलतान सिंह रोड अमृतसर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्री-हॉल अधिकारी के कार्यालय अमृतसर सिटी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अतिवृत्त नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :—

1. श्री अमर सिंह मन्त हकीम पुत्र आशा सिंह
चौक बाबा पहाड़ी वाला, और ज्ञानी दलीप सिंह पुत्र
रोल सिंह, गली खनार वाली, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. स० हरभजन सिंह, गुरुदेव सिंह, राम सिंह, सुखपाल सिंह
और सूरजीत सिंह पुत्र पूरन सिंह

मकान नं० 4925/37, गली नं० 3, सेखनपुरा।

(अन्तरिणी)

3. जैसा कि सं० 2 पर और कोई किरायेदार है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई और व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट रकबा 656 वर्ग गज जो कपूर नगर,
सुलतान विन्द अमृतसर में है जैसा कि रजिस्टर्ड सेल डीड
नं० 3838/I, दिनांक 18-1-79 ऑफ रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-9-1979

मोहर :

प्रकृष खाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/166—अतः मुझे
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान पटेल चौक, अमृतसर है तथा
जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी कि तो आय या किसी घन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री सन्तराम पुत्र रतन चन्द,
शास्त्री मार्केट, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी, पत्नी स्व० बाबू लाल, बाग
रामानन्द गली नं० 2, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
वामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान पटेल चौक, अमृतसर रजिस्ट्री क्रत नं०
4028, दिनांक 31-1-79 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में
वर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

तारीख : 10-9-1979

मोहर :

प्रकट प्राई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 मितम्बर, 1979

निदेश सं०—अतः मुझे

एम० एल० महाजन

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान पटेल चौक अमृतसर है तथा जो
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 5-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से
उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नाह
प्रतिकल से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाबा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाव की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाव या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अर्थात्, अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार
ई, ई, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-286NI/79

1. श्री सन्त राम पुत्र श्री रतन चन्द, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शांती देवी पत्नी बाबू राम, श्रीमती कमलादेवी
पत्नी श्री रमेश चन्द, मकान नं० 192/IV2,
पटेल, चौक, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैहा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो।

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक मकान पटेल, चौक अमृतसर में रजिस्ट्रीकृत नं०
4079, दिनांक 5-2-79 में रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर
में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 10-9-79

मोहर :

प्रारूप पार्स० टी० एच० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निवेश सं० ए० एस० आर०/79-80/168—प्रतः मुझे

एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान एक प्लॉट नं० 144, चारी, पिन्ड अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिहास, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दायर किया गया है कि यह नही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीत :—

1. श्री मान सिंह पुत्र श्री भतर सिंह
श्रीक बाबा दीप सिंह गली, पंजाब, अमृतसर।

(अन्तरितों)

2. श्रीमती गौरी कौर पत्नी सरबीरा सिंह असवन्त कौर
पत्नी गंगा सिंह आबादी श्री गुरु रामदास सराय,
अमृतसर।

(अन्तरितों)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रहि रखता हो तो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राज्ञेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

एक मकान एक प्लॉट नं० 144 सामने चारी पिन्ड, आबादी अमृतसर में रजिस्ट्रीकृत नं० 4095 तारीख 6-2-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 12-9-79
मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० एसआर०/79-80/169—अतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव दाग त० अजनाला है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधीकारी अमृतसर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 79 को पूर्ण संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए एक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्तविक रूप से अहित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण के द्वारा किसी भाग की दृश्यमान उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तर्गत न बाधित में कमी करने या उल्टे करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. महन्त माधोदास, चेला रामदास,
गांव दाग त० अजनाला

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुख्तार सिंह जसवन्त सिंह पुत्रगण दलीप सिंह
गांव बैरोकी, त० अजनाला ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है । यदि कोई किरायेदार हो तो ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो ।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी व जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके (वर्षा 1980) के अधिनियम के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त अंतरण के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अधिक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 66 कनाल, 12 मुरला, गांव दाग, तहसील अजनाला, रजिस्ट्रार नं० 4112 जैसा कि रजिस्ट्रार अधीकारी अजनाला में है ।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-9-1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एच०—

धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-अ (1) के अधीन सूचना

भारखुंहरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 सितम्बर 1979

निदेश सं० एएमआर०/79-80/170—अतः, मुझे, एम० एल० महाजन, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव डंग, त० अजनाला जिला अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. महन्त मधोदास बेला राम दास,
गांव डंग, त० अजनाला, जिला अमृतसर।
(अन्तरक)
2. श्री जगतार सिंह माशा सिंह, पुत्र गण दलीप सिंह
तहसील अजनाला।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में यह सूचना दी जा रही है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बमोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्व होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 66 कनाल 13 मरला गांव डंग, तह० अजनाला रजिस्ट्रीकृत नं० 4113 रजिस्ट्री अधिकारी अजनाला में है।

एम० एल० महाजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14 सितम्बर, 1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/171—अतः मुझे
एम० एल० महाजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसको सं० कृषि भूमि गांव नसार, त० अजनाला जिला
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
लाने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देव के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती पाली पुत्री ईश्वर सिंह
गांव नसार, तह० अजनाला जिला अमृतसर) ।
(अन्तरक)

2. श्री सुखदेव सिंह, हरबंस सिंह, प्यारा सिंह पुत्रगण
सगारा सिंह गांव, नसार तह० अजनाला ।
(अन्तरिती)

2. जैहा कि नं० 2 में है यदि कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 70 कनाल, 10 मरला, गांव नसार, तह०
अजनाला रजिस्ट्रीकृत नं० 3750 दिनांक 1-1-79 रजिस्ट्री
अधिकारी अजनाला में है ।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-9-1979
मोहर :

प्रकाश सं० टी० एन० एस०-----
 धान-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/172—प्रतः मुझे
 एम० एल० महाजन

धान-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव राजा सांसी तह० अजनाला
 जिला अमृतसर है तथा जो अजनाला में स्थित है (और इससे
 उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में आस्तिक का से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्त, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय धान-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. श्री गोपाल सिंह गोदनाम पुत्र मेजर हरिन्दर सिंह
 राजा सांसी, तह० अजनाला। (अन्तरक)
2. श्रीमती मोहन कौर प्रीत मोहन कौर, दीप मोहन कौर
 अनिल मोहन कौर, पुत्री ससपाल सिंह,
 राजा सांसी, । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
 हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 132 कनाल 2 मरला, गांव राजा सांसी,
 रजिस्ट्रीकृत नं० 3959, दिनांक 18-1-79 रजिस्ट्री अधिकारी
 अजनाला में है।

एम० एल० महाजन
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 14-9-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/173—अतः मुझे
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव, ख्याला तह० अजनाला जिला
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
जें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री समशेर सिंह पुत्र भगवान सिंह
गांव ख्याला तह० अजनाला, अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री अमर सिंह पुत्र मोहन सिंह
गांव, ख्याला,

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है । यदि कोई किरायेदार हो तो ।
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 42 कनाल 6 मरला गांव ख्याला, खुर्र तह०
अजनाला, रजिस्ट्रीकृत नं० 4045, दिनांक 25-1-79 रजिस्ट्री
अधिकारी अजनाला में है ।

एम० एल० महाजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख: 14-9-1979
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काजीलन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/174—प्रतः मुझे
एम० एल० महाजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि त्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० एक घर गोपाल नगर, अमृतसर है तथा जो
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जनवरी 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रम के लिए सम्पत्ति की गई है और मुझे वह विश्वास करने
का कारण है कि त्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिक्रम से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का
सम्बन्ध प्रतिक्रम से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
हम माना गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय धन-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीनः—

1. श्रीमती विरमलावती परनी स्व० हीरालाल निवासी
मकान नं० 2253 लम्बी गली कटरा ढूला अमृतसर

(अन्तरक)

2. कुलदीप राज सुपुत्र अमर नाथ

मकान नं० 691/13, रानी बाजार, शरीफपुरा,
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त अमरति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त त्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक घर नं० 3 जो कि आबादो गोपाल नगर, अमृतसर में है ।
जैसा कि डीड नं० 3754/I, दिनांक 12-1-79 रजिस्ट्री अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख: 18-9-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/175-यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है। और जिसकी सं० एक दुकान

कटरा अहलुवालिया, अमृतसर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरेकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्, :—

7—286 GI/79

1. श्रीमती कुलवन्त कौर पत्नि गुरदियाल सिंह
शिवम नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमलजीत कौर पत्नी सरबजीत सिंह
एल० एच० वी० पी० एस० सी० बेरका।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 ऊपर है और कोई किरायेदार हो तो।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान जो कि मोती बाजार कटरा अहलुवालिया जैसा कि डीड नं० 3656/1 दिनांक 5-1-79 अंक रजिस्ट्रिंग अफाटी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 18-9-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1979

सं० आर० ए० सी० नं० 196/79-80—यतः मुझे के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5-8-323, 323/1 ता० 5-9-79 है, जो ऊमाबाग हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सर्वश्री के० रगवेन्दर राजू, (2) के० तीरमलेश्वर राजू, (3) के० ऊमापती (4) के० अनील, (5) के० रगुवीर, (6) के० सुदीर, (7) के० रामेश्वरम, (8) के० लक्ष्मी देवी पती सत्यानारायन रेडी घर नं० 10-2-521 असीमनगर। (अन्तरक)

(2) सर्वश्री (1) महमद अब्दुल रहीम, (2) एम० ए० नहीम जकी, (4) एम० ए० सलीम, (4) एम० ए० मुनीम, (5) एम० ए० कलीम, (6) एम० ए० मुकीम घर नं० 21-3-406 महबूबकी मेनदी हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञेन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-8-323, 323/1, 323/2, 323/3, 323/4, 323/5 कहा जाता है "वेनकट भवन" ऊमा बाग नामपली हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 173/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-9-1979

मोहर:

प्रकट आई. टी. एन. एम.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 सितम्बर, 1979

सं० आर० ए० सी० नं० 197/79-80—यतः मुस के०
के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-खके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-107 स्टेशन रोड है जो नामपली
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अलीभाई पिता वीरजी घर नं० 223
करीमाबाद कौपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी चोसगली
लेन, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री महमद अब्दीदुर रहमान (2) महमद अब्दुल
रहीम घर नं० 10-6-180 सैयद अली धबुता
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-8-107 स्टेशन रास्ता नामपली हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 458/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद
में।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-9-1979
मोहर :

प्राकृत्य आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 198/79-80—यतः मुझे,
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परन्तु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-107 नामपली है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अली भाई पीता वीरजी घर नं० 223 करीमा-
बाद कवापरेट्टु हीजीनग सोसैटी धीरागली लेन
हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती बशीरुनीसा पती स्वर्गीय यहमद अब्दुली
रानी (2) कुमारी सादत जाहान घर नं० 20-6-
180 सैयदअली धबुत्ता हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-8-107 का विभाग है नामपली स्टेशन रास्ता
हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 459/79 उप रजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-9-1979

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 199/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 10-1-128 मसाब टैंक है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैंरताबाद में
भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

(1) श्रीमती जयाबुक्षीसा बेगम पती स्वर्गीय सेयद
बशीरीदीन अहमद 10-1-127/2 मसाब टैंक
हैदराबाद (अन्तकर)

(2) श्री डाक्टर सीयेद अब्ताब पती डाक्टर महमद
अजीज सुलतानीया 10-1-128 मसाब टैंक
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के खर्ज के
लिए कार्यवाहियां करवा दूँ।

उक्त समाप्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

शरहोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धर ने 10-1-128 मसाब टैंक हैदराबाद में है रजिस्ट्री
दस्तावेज ने 280/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैंरताबाद
में।

के० के० वीर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख: 5-9-1979
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 200/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 11 सरखे नं० 56, 58 है जो बेगमपेट, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अडसुमीली रमादेवी पति ए० कृष्णामूर्ति घर ने 3-ए० येनट्रानजमेनट रास्ता मारेडपली सीकीन्द्राबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सीदीकी तबसुम पति मेजर सैयद मसीमीदीन 10-3-304/12 हुमायुनगर हैदराबाद। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11 वीस्टन 680 वर्ग यार्ड बेगमपेट हैदराबाद में है। सरखे नं० 56 ता० 58 तक रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 34/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में हुआ है।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 5-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 201/79-80—यतः मुझे, के०
के० वीरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सञ्चय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० 24/12 (वसनत सेंटर) है, जो मनजेयोल
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मनजेयोल में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जनवरी, 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—(1) श्री मनीलाल टेनकरसन करसनजी मनजेयोल
लकसेटीपेट-तालूक अदीलाबाद। (अन्तरक)(2) श्री मुस्त्याला शनकरय्या पिता नरसय्या मनजेयोल
तालूक अदीलाबाद जिला। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सीनीमा थैटर गोडन लीसाका नाम है "वसनत टाकिस"
घर नं० 24/12 मनजेयोल लकसेटीपेट तालूक अदीलाबाद
रजिस्ट्री दस्तवेज नं० 40/79 ऊप रजिस्ट्री कार्यालय मनजेयोल।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 7-9-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 202/79-80—यतः मुझे,
के० के० वीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मलगी नं० 9 घर नं० है, जो 22-7-269/9
दीवानदेवडी स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जनवरी 1979
को सूचित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पञ्चद्वि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य आशियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अन्तरण में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैसर्स शा बुलडर्स 22-7-269/3 दीवानदेवडी
हैदराबाद । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कुलमुमबी पति मुहम्मद हमुम 22-6-265/10
कुजेनसीम हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

मलगी नं० 9 घर नं० 22-7-269/9 दीवानदेवडी पतरगट्टी
हैदराबाद वीस्टन 250 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 43/
79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय आजमपुरा में ।

के० के० वीर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, हैदराबाद ।

तारीख : 7-9-1979
मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 203/70-80—यतः मुझे
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जीरायती जमीन है, जो सरखे नं० 253
गुनतकल स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गुनतकल में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किया मात्र कि किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था प्रकट किया जाना चाहिए था, विधान
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-286G1/79

(1) श्री ओ० कुमारा स्वामी, (2) श्री० रामदास
गुनतकल अनतापुर। (अन्तरक)

(2) श्री के० ओबुलरेडी गुनतकल अनतापुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही जहाँ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जीरायती जमीन 7.88 एकड़ सरखे नं० 253 गुनतकल
अनतापुर रजिस्ट्री दस्तावेज 405/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय
गुनतकल में।

के० के० वीर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 11-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 204/79-80—यतः मुझे के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जीरायती जमीन है, जो सर्वे नं० 829 और 843 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीमापली गुनतकल में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय को वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्तिथों को, जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्री के० सेतुरामा शास्त्री, (2) के० सदासीबा शास्त्री, जीनापुर, अनन्तापूर (अन्तरक)

(2) श्री काकरला रामचन्द्रा नायडु पीता रत्नगय्या सीमनापली गुनतकल अनन्तापूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीरायती जमीन सर्वे नं० 829 और 843, 9.37 एकड़ गुनतकल अनन्तापूर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय गुनतकल में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 11-9-1979

मोहुर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 205/78-79— अतः मुझे,
के० के० धीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जीरायती जमीन नं० 829 एवं 843 है,
जो गुन्तकल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, गुन्तकल-79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावतः—

(1) श्री के० सेतुरामा शास्त्री, (2) के० सदासीवा
शास्त्री पिता के० पद्मानाबय्या कुटी अनतापुर ।
(अन्तरक)

(2) श्री काकरला रत्नगय्या पिता के० कीवडय्या
सुमानपली अनतापुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्वन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जीरायती जमीन 9.37 एकर्स सरखे नं० 829 और
843 सुमानपली गाऊ गुन्तकल अनतापुर रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 8/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय गुन्तकल में ।

के० के० धीर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 11-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 206/79-80—यतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1-1-156/157 है, जो एस० पी० रास्ता सीकीन्द्राबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अवाबाई बेहरम चेनाई (2) गोशनमीनु पटेल, (3) पेरीज बहरम चेनाई (4) जहानगीर बेहरम चेनाई घर नं० 64-1-1-156/157 सरदार पटेल रास्ता सीकीन्द्राबाद (अन्तरक)

(2) श्री वें० शंकर राऊ, घर नं० 7-1-406 मायती बीदी सीकीन्द्राबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बाजु के घर खुली जमीन वीस्टन 567 वर्ग याई घर नं० 1-1-156/157 सरदार पटेल रास्ता सीकीन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 166/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ।

के० के० बीर
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 11-9-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 207/79-80—यतः मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जमीन है, जो आदर्शनगर हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री जी० जगनादम घर नं०-1 कटिज-लालापेट सीकीन्द्राबाद । (अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश तीबरवाला (2) श्रीमती परमेश्वरी देवी घर नं० 5-9-22/41-बी० आदर्श-नगर हैदराबाद । (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 206 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन 452 वर्ग याडें आदर्शनगर हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज में 223/79 उप-रजिस्ट्री-कार्यालय हैदराबाद में है ।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 11-9-1979
मोहर :

प्रकृप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 सितम्बर, 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 208/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 24 घर नं० 4-1-738 है, जो मीजम-
जाही मारकीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के बायस्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रभावः—

(1) श्रीमती जी० शकुन्तला देवी पती जी० नरसीम्या
रेडी घर नं० 4-1-738 तुलजागुडा हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० सकुबायम्या पती बालप्पा 4-1-738
(I मनजीला) घर नं० 24 बमयरती घर मीजम-
जाही मारकीट हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 24 (I मनजीला) घर नं० 4-1-738 तुलजागुडा
मीजमजाही मारकीट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावे नं० 332179
ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मितम्बर 1979

निर्देश सं आर० ये० सी० नं० 209/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 1-7-4-ता०-19 एस० पी० है, जो रास्ता
सीकीन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री काजा मैयादुला कान पीता स्वर्गय काजा-
असदुल्ला कान मीनीका इस्टेट बलपरपी को थेम-
बतुर (अन्तरक)

(2) श्री तीरुमलाई ट्रेडर्स जीसका पाटनर लक्ष्मी-
नारायण अगारवाल घर ए० 3-6-108 हीमायत-
नगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्देश्यकारी के पान
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर और बड़ीर के मकान घर ने 1-7-4 ता० 1-7-19
सरदारपटेल रास्ता सीकीन्द्राबाद 9382 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 379/79 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-9-1979

मोहर:

प्रकाश प्रार्थी टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 210/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10-3-313/3 है, जो मासाबटेक हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) घन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के घन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती जी० बरालशमय्या पती जगनादाशस्त्री 10-3-313/3 मासाब टेनक हैदराबाद (अन्तरक)

(2) डाक्टर टी० कामेशवरी सगय्या पती डाक्टर सराय्या एक०-1/बी०-14 पीजयानामर कालोनी हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

इस सम्पत्ति के घर्जन के पश्चात् मैं को भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 10-3-313/3 मासाबटेनक हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 57/79 ऊप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर,
सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-9-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 211/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० 2 6-3-248/3 है, जो बनजारा हिल्स ने 1
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जनवरी, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
घर/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9-286GI/79

(1) श्रीमती अर्नास पातीमा पती हसनोदीन हैमद,
(2) हसनोदीन हैमद 22-1-957 अवीजबाग
हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री जे० यासकर राऊ पिता नरसीगराऊ 3-5-
170/1/4 नारायनगुडा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-3-248/3 दो मनजीला घर रास्ता नं० 1
बनजारा हिल्स हैदराबाद रजिस्ट्री वस्ताधेज ने 453/79 उप
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर,
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979
मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

सं० आर० ये० सी० नं० 212/79-80—यतः सुक्षे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4- एवं० 5 है, जो वार्ड नं० 3 ब्लाक नं० 6 हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्रीमती कौमल्या शरमा पती एस० येल० शरमा, 15-2-453 कोशज राजन हैदराबाद । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सोमावानी पती सरदार अमरीत सीनग हैदराबाद (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

परामर्शः :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुली जमीन नं० 4 और 5 वार्ड नं० 3 और ब्लाक नं० 6 मुरलोदर बाग बशोरबाग हैदराबाद में 374 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 456/79 ऊप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० के० वीर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० 213/73-80—यतः मुझे
के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 16-11-740/4/ए०/1 है, जो बाडी
अनारम हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी,
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय
में कपी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रकट, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख के अनु-
सरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती कन्माकाशन पति बी रामलालकीसन
- (2) सुनील कीशन,
- (3) कुमारी पूरनीमा कीशन
- (4) अनील किशन 4-1-1240, कीम कोठी,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती लुमला रामालशमी करीमनगर जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहीयां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वा
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाग
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बीमाणी घर कुली अमीन 550 वर्ग मीटर घर नं०
16-11-740/4/एच/1 सरवे नं० 315/3 गडी अन्मारम
गाऊ हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 548/79 उप रजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979
मोहर:

प्रकरण चार्ज. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 214/79-80—यतः
मुझे के के वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 7.23 एकड़ है, जो गन्धीबौनी
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979 को
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में कमी
करने या उससे बचने में बुद्धि का प्रयोग। और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तिधियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चेन्ना रेड्डी गरी पेडा ईश्वर रेड्डी, 6-2-966/
10, केरडाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री चेन्ना रेड्डी गरी बालमोहनरेड्डी पिता सी०
जोसेफ रेड्डी, केरताबाद, 6-2-966/10, हैदराबाद
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) 11 सूरना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हिन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

7 एकड़ 23-1/2 गुन्टास जीरायती जमीन गली बोली
के पास में हैदराबाद वेस्ट रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 148/79
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

निदेश सं० आर ए सी नं० 215/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 3-10-81/1 है, जो जमगाऊ वसगल जिला
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जमगाऊ
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए धस्तारि को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथामुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (धस्तारकों) और धन्तरिती
(धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी बत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बत कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) श्री (1) एस० अपय्या, (2) एस० वेन्कटरत्नम
(2) वी० पूरनाचन्दर राजू, (4) भासकर राजू
(5) मोहन राजू जमगाऊ वसगल जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० अपय्या, ई० समसैन केबुल इन्डस्ट्रीज,
लिमिटेड, जनसऊ वसगल जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धायेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० सी०-1 और कारकाना मकान घर नं० 3-
10-81/1 इन्डस्ट्रियल एस्टेट, जमगाऊ, वासगल जिला रजि-
ट्री दस्तावेज नं० 420/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय जमगाऊ,
वासगल जिला में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 216/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कुल जमीन नं० 144 है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन कार्यरत :—

(1) श्रीमती नारायणी बाई, (2) आशानन्द, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन चन्द पिता सगुमल, 1-8-229/10 पी जी० रास्ता, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वसंश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन नं० 144, पेनडर गंस्टर रास्ता सिकन्दराबाद में विस्तीर्ण 565 वर्ग यार्ड सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 100/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979
मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 217/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 28/बी-है, जो दीमलगुडा हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये घनत्व को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सूचिदा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के ध्येयार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था या छिपाने में सूचिदा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों परीतः—

1. श्रीमती के० ज्योति रेडी पत्नी के० पानडु रत्नगारेडी
3-5-1089/9 नारायनगुडा हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री एम० दामोदर रेडी 1-1-590 गांधीनगर
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि सी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुल जमीन 350 वर्ग यार्ड प्लॉट नं० 28 भी० दीमलगुडी
हवागनमट्टल रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 111/79
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-9-1979

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 218/79-80—यतः
मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 5-4-150 है, जो रानीगंज
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रमोद बलवन्त राय बट 2. महिन्दर बलवन्त राय
बट, 5-4-165 रानीगंज सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. श्री एम० सुदेशकुमार 14-9-833, जुमेरातबाजार
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 5-4-150 महल्मानदी रास्ता रानीगंज
सिकन्दराबाद वेस्टर्न 72-वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
63/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 17-9-79

मोहर :]

प्रकृप पाई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नितम्बर 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 219/79-80—यतः
मुखे के० के० वीर
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परन्तु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 2-212/1/सी/1 है, जो दीमलगुडा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिता (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बापिसव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी वत या अना आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, र्थान्तः—

10—286G1/79

1. श्री अमरबीर अम्बुलगा इलियास अमर 19-1-180
इदबीली हैदराबाद

2. एम० सीतलसीतरा 3-5-628 हैदराबाद

(3) अन्करमीनम (4) समीहसीनम

(5) बीजयमोगा (6) अरबीनदमीनम

(7) बलदेवमीनम हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री अनी० आदीनागवन 3-6-369/-9-
हिम्तनगर हैदराबाद।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रश्न :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट और जमीन वेस्टर्न 267 वर्ग यार्ड सरखे नं० 192 और
घर नं० 1-2-212/1/सी/1 दीमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 212/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 17-9-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

निवेश सं० ये० सी० नं० 220/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1-2-212/1/सी/1 है, जो रामनमहब
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 19, जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. श्री अमरबीन अब्दुल्ला आलास अमन 1-1-189
इदबौली हैदराबाद

(2) एम० सीतलसीरा (3) शेवकरसीनम

(4) मनीहरसीनम (5) विजय मोनम

(6) अरविन्द सीनम (7) यलदेव मोनम हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरोजा पती आदीनारायन 3-6-369/1-9
बनधाराहीलस हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट का वेस्टर्न 333 वर्ग यार्ड दीमलगुडा हैदराबाद में
सर्वे नं० 192 घर नं० 1-2-212/1/सी/1 रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 213/79-उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-9-1979

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

निदेश सं० 221/79-80—यतः मुझे के० के० वीर
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 10-2-287/ है, जो ऐ० सी० गाडें
हैदराबाद स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 19 जनवरी 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की शायत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा
या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती तायेरा सईद पति सईद 10-2-287/ ऐ० सी०
गाडें हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री पी० पी० प्रियास्वामी
पिता पीरेतम चेटीयार 10-2-287/ ऐ० सी० गाडें
हैदराबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्यवहारकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

घर का नं० 10-2-287/ऐ० सी० गाडें हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 217/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद
में ।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० आर० य० सी० नं० 222/79-80—यतः मूल के०के०बीर

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसको सं० 4-1-938/आर-14 और 15 है, जो तिलक रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री मैसर्स श्रीकृष्ण कंस्ट्रक्शन कम्पनी 5-8-612 हैदराबाद आबीद श्री कौलाण धीरन जी 8-2-626/6 हैदराबाद (2) राज कुमार घावल रास्ता हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती कुतुबुद्दीन, 4-1-938/आर 14-15 कृष्ण काम्पलैक्स तिलक रोड, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 4-1-938/2-14 और 15 चार मनजिला कहा जाता है कृष्ण काम्पलैक्स तिलक रास्ता हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 479/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के०के०बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-79
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर 1979

निदेश सं० ये० सी० नं० 228/79-80—यतः मुझे के० के०
वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-1086/1 है, जो सोमाजीकुडा हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
19 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक वधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी कितनी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीत :—

(1) सैयद मुहम्मद अब्दी हुसेन 6-3-1086 सीमाजीकुडा
हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री ये० रामधेनवर राऊ 6-3-1089/वी-सीमाजीकुडा
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टव्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

घर का नं० 6-3-1086/1, 900 वर्ग मीटर राज भवन
रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 234/1 उप रजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० ये० सी० नं० 224/79-80—यतः सुश्रे
के०के०वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6-घर-नं० 6-3-1111 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिणी (प्रस्तरिणियों) के बीच एक अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्गीकृत:—

(1) श्री वै-मल्लिकारजुना प्रसाद 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) डाक्टर बलापरमेश्वरराऊ 3-4-875/2 बरकतपुरा हैदराबाद
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखेंप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रोड्यूसररी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6-घर-नं० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद
प्लॉट नं० 509 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 114/79 ऊप
रजिस्ट्री कार्यालय करताबाद में

के०के०वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० ये० सी० नं० 225/79-80--यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन यत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० 8-3-1218/6 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कौस्ताबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19 जनवरी 79

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और प्रारिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती जीवा परजाना पति महमद जवद पाखी
घर नं० 10-3-304/12 हिम्मतनगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशिया मैनन करोमुनीस्थ बेगम पति
महमद अब्दुल मनान 11-5-132 रेडहोसतम हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और घर नं० 6-3-1218/6/2 वेस्टर्न 225/
वर्ग याई ऊमानगर बेगमपेट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
98/79 उन रजिस्ट्री कार्यालय कौस्ताबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1979

मोहर:

प्रकृप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० आर० य० सो० नं० 226/79-80—प्रतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-1111-प्लॉट बेगमपेट है, जो हैदराबाद में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाविष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री वै. मल्लिकार्जुना प्रसाद 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मीता मनीहर राऊ 6-3-1111-बेगमपेट हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुलजर्मन घर नं० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद
प्लॉट नं० 371.5 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 214/79
ऊप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-79
मोहर :

प्रकरण धाई० टी० एन० एस०—

(1) श्री व० मल्लीकारधुना प्रसाद चलापली घर बेगम-पेट हैदराबाद।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269 ब(1) के अधीन सूचना

ग़रज सरकार

2. श्री महमद यमुपीदीन 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 227/79-80 यतः मुझे, के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6-3-1111 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1979

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

राष्ट्रीयकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शब्दों में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

कुली जमीन बीस्टन 895 वर्ग याई घर नं० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद दस्तावेज नं० 220/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

अतः प्रश्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—286GI/79

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1979

मोहरा:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ये० सी० नं० 228/79-80—यतः मुझे, के०
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 11 है, जो 6-3-1111-बेगमपेट
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय केरताबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन नम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री वे० मल्लीकाजेरना बेप्रसाद 6-3-1111-बेगमपेट
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री जी० मोहनराऊ पिता राम गोपाल राऊ 3-1-100
डी० करीमनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

व्युत्पत्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11 घर नं० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 227/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय केरत-
बाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर

प्रकट आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० न० 229/79-80—यतः मुक्त
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-1111 प्लॉट है, जो बेगमपेट हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैतराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि उपायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् 1—

1. श्री एम० मल्लीकारजुना प्रसाद चलापली घर—बेगम-
पेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. डाक्टर वै सावीत्री देवी वै घर नं० 3-5-911/बी
हीमायतनगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

साक्ष्योत्तरण:—इसमें प्रयुक्त गन्दों और पत्रों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 19, 20, 21, वीस्टन 1133.5 वर्ग यार्ड
घर नं० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
245/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैतराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर:

ग्रुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 230/79-80—यतः मझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6-3-111 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगतों, प्रतीत :—

1. श्री वै० मल्लीकारजुना प्रसाद बेगमपेट हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री के० तीरुमलेश घर नं० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट और जमीन वीरुत्तन 341.25 वर्ग गार्ड घर नं० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 248/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 18-9-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 231/79-80—यतः मझे,
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 17 है, जो 6-3-1111-बेगमपेट
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में
कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वै० मलीकारजुना प्रसाद चेलापली घर बेगमपेट
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नदीरा सुलताना 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

बीचागी घर नं० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद प्लॉट
नं० 17 वीस्तन-528 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
/79 उप रजिस्ट्रीकार्यालय कैरताबाद में ।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० 232/79-80—यतः, मुझे,
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० विभाग 10-2-67 है, जो मारेडपली सीकिन्द्रा-
बाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकिन्द्राबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

पदः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
धीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती जमुनाबाई आर० दुबे और रवीन्द्रा दुबे और
दूसरे घर न० 11-1-461 तीशसापलमनडी
सीकिन्द्राबाद।

(अन्तरक)

2. श्री डी० ऊमाशंकर घर न० 10-3-134 ईस्ट मारेडपली,
सीकिन्द्राबाद।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नाती विभाग घर न० 10-2-67 ईस्ट मारेडपली
सीकिन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 4/79 उप रजिस्ट्री
कार्यालय सीकिन्द्राबाद में

के०के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 18-9-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 233/79-80—यतः मुझे,
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० जमीन 609, 633 है, जो अमबरपेट हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, हैदराबाद
ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की जाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य धातियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रीमजी कोस्लीसी श्रीमनी नरबता प्रेमजी कोस्तजी
4-4-826-हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री कनय्यालाल 5-9-22/57 अदर्शनगर हैदराबाद।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बराबर में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

योगमती जमीन सब नं० 609 और 633 अमबरपेट
कलान, गांव 9.19 मेकसी हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
486/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-9-79

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 234/79-80—यतः, मुझे,
के० के० वीर,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6/1 है, जो गगनमहल हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में)
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन, तारीख जनवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीतः—

1. श्री जी० टी० वी० रत्नाधामिलू।
(2) श्री जी० टी० वी० लक्ष्मीनरसीम्मा।
(3) श्री जी० टी० वी० श्रीरामगुमटु श्रीनिवाम।
(अन्तरक)
2. श्री धडावरपुवालामोली 1-2-6 गगनमहल कालोनी
हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
नए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एस० 6/1 गगनमहल कोआपरेट डिवलपमेंट
सोसाइटी डीमलगुडा हैदराबाद वीस्टन 464 वर्ग याडें रजिस्ट्री
वस्तावेज नं० 96/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-9-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 235/79-80—यतः मुझे, के० के० खीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो रहमतबाग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
—286GI/79

1. श्रीमती महमूब बी० इलीयस यसुफनीसा बेगम पत्नी सफदरखान 17-3-434/3 याफुबपुरा हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री भागवती प्रसाद 3-5-770/ए/9 नारायनगुडा हैदराबाद-29।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 647 वर्ग यार्ड (17/115 भागी) सर्वे नं० 7 रहमतबाग पुलिस स्टेशन के सामने काजीगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 53/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० खीर

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-9-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 236/79-80—यतः मुझे, के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो मुमुफगुडा हैदराबाद, में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1979, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमा वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत्त में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1:—

1. श्री बी० जनगया यमुफगुडा हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स मयीबात्रा कोआपरेटिव होजीनग सोसाइटी लिमिटेड गीशा महल हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

परन्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट और खुली जमीन यमुफगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 126/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर:

प्रकरण बाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० 237/79-80—यतः मुझे,
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन नं० 14, 15 है, जो युसुफगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए।
मोहर/वा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० गनड्य्या और दूसरे, युसुफगुडा हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. साई बाबा कोआपरटिव हीजीनग सोसाइटी लिमिटेड
197/77 गीशामहल हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रभन के विषे कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रभन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन एक एकर सर्वे नं० 14 और 15, युसुफगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 124/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

तारीख : 15 सितम्बर 1979

मोहर :

, प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर०ये०सी०नं० 238/79-80—यतः मुझे, के०के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो युसुफगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्हित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाश, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

1. श्री बी० राजम्मा पिता सामम्मा और दूसरे युसुफगुडा हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स साई बाबा कोआपरेटिव सोसाइटी 197/77 गीशामहल हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीनयें केकर युसुफगुडा हैदराबाद में हैं रजिस्ट्री वस्तावे ज नं० 125/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के०के० वीर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-1
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ये सो० नं० 239/79-80—यतः मुझे,
के० के० वीर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 11-4-636 है, जो ए० सी० गार्ड हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, कैरताबाद में
भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जनवरी 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सिर्देकी सबसुम 10-3-304/12 हुमायुन
नगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री जी० गुनासागर

(2) श्रीमती जी० बी० सुबालशमी सागर।

(3) श्रीमती गोटेती सरसीनग होम गालीवारी
मौमावरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नया दो मंजिला घर नं० 11-4-636 ए० सी० गार्ड
हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 76/79 उप रजिस्ट्री, कार्यालय
कैरताबाद में।

के० के० वीर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी०एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर०ये०सी०नं० 240/79-80—यतः मुझे,
के०के० वीर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं०प्लॉट बी/7 है, जो ब्लाक III उनपलमें
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद ईस्ट में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) है
के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टांत्य
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी
करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,

1. मैसर्स ईस्टर्न कर्मसोयल और इन्डसट्रीयल इंटरप्राइसेस
लिमिटेड बंगलूर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स आर० एन० पीलटर्स लिमिटेड डाइरेक्टर श्री
आर० नीरणजारेडी 8-3-1079/1 श्रीनगर कालोनी
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रख्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही भव्य होगा जो, उस प्रख्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

घर और प्लॉट नं० बी०/7 ब्लाक नं० III ओपल इंडस्ट्रीयल
जगह 5 एकड़ जमीन हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 240/
79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के०के० वीर
सक्षम अधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-9-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर०ये०सी० नं० 241/79-80—यतः मुझे,
के० के०वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-1111 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तिर्यों को;
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री वाई० मल्लिकारजुना प्रसाद चेलापल्ली घर, बेगमपेट
हैदराबाद। (अन्तरक)

2. दि आन्ध्र प्रदेश करीम नगर संगम 642/76
सेक्रेट्री यु० जयारामन, मलकपेट हैदराबाद।
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रमाणहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2:3 - घर नं० 6-3-1111 बीस्टीन 481 बर्ग
गार्ड बेगम पेट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 238/79 उप
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में:

के० के०वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-9-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

पायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर०ये०सी०नं० 242/79-80—यतः मुझे,
के०के०वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जोरायती जमीन है, जो 7-बी सदनगर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रारानी अधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद
ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐंसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन व अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० बसवाराजू 3-6-693-है/मायतनगर हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. मैसर्स वैश्या ग्रेजेट कोपओपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी
घर नं० 6-1-91 वासबीनगर हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जोरायती जमीन बीस्टन 12.00 एकड़ सर्वे नं० 7/
बी सुरुनगर गांव हैदराबाद ईस्ट रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 785/
79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के०के०वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-9-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर०ये०सी०नं० 243/79-80—यतः मुझे,
के०के०वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्वाभार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-402 है, जो रास्ता नं० 5 बनजारा
होस्टल में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरता-
बाद में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य प्राप्ति को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

13-286/GI/79

1. श्रीमती नजोमा अनसारी हिलोयास नजमुनीसा बेगम
पत्नी हमीद अनसारी हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मास्टर बी० बालाकृष्णण (माईनर) 8-2-402
बनजारा होस्टल हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन न नमाम्य में कोई भी धाजेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वाभार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अर नं० 8-2-402 रास्ता नं० 5 बनजारा होस्टल हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 263/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरता-
बाद में।

के०के०वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-9-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 244/79-80—यतः, मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-402 है, जो रास्ता नं० 5 बनजारा
हीलस में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरता-
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
प्रदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती नजमा अन्जारी ईलीयास नजमारुसा बेगम
पत्नी हमीद अन्जारी 8-2-466/2 रास्ता नं० 1
बनजारा हीलस हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बी० सरोजीनी पत्नी बी० रामास्वामी 8-2-
402 रास्ता नं० 5 बनजारा हीलस हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधक:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विभागी घर नं० 8-2-402 रास्ता नं० 5 बनजारा हीलस
हैदराबाद खुली जमीन वीस्टन 1675 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्ता-
वेज नं० 264/79 उक्त रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 245/79-80—यतः मुझे,
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-4-636 है, जो सैफाबाद हैदराबाद में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिर्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम० के गवत्राज कपूर पिता किशनपरशद 8-1-
328 श्रीकपेट हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री महमद मुनीरीदीन पिता महमद शमशीदीन 5-9-
गनपौनदरी हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 11-4-636 सैफाबाद हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 102/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-679
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेंट रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 246/79-80—यतः मुझे,
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-589 है, जो गनफौन्डरी हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख जनवरी 1979

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्पत्ति आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात् अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—

1. श्री महमद अबदुल मकुम जी० पी० ए० गुलाम नसीरीद्दीन
5-9-589 गनफौन्डरी हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री रफीद्दीन अब्दुल पुत्र गुलाम ससीरोद्दीन 5-9-
589 गनफौन्डरी हैदराबाद।

(अन्तरितता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजेंट के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजेंट के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विभागी 5-9-589 गनफौन्डरी हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 26/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजेंट रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-79
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 247/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1-8-60 है, जो जीकजपली हैदराबाद में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) कैप्टन एम० अर्पेन्दर पुल रामप्पा
(2) श्री एम० रगुवेन्द्र (जी पी ए) एम रामप्पा।
(3) श्री एम० रवीशंकर धर नं० 1-8-60
जीकजपली हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० जगदामबा पत्नी आर० वेनकटस्वामी
1-8-30 जीकजपली हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विभाग धर नं० बी० नं० 1-8-60 जीकजपली हैदराबाद
खुली जमीन 364 वर्ग यावें रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 411/79
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-9-1979
मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 248/79-80—यतः मुझे,
के० के० वीर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1-8-60 है, जो धीकजपली हैदराबाद में
स्थित है (और उसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जनवरी 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में
वस्तुस्थिति रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
जालियत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए जोर/धा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
की जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) कैप्टन एम० अप्पन्ना पुत्र रामप्पा
(2) श्री एम० राघवेन्दर पुत्र एम० रामप्पा
(3) श्री एम० रवीशंकर 1-8-60 धीकजपली
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रापरती बन्ना बाई परनी आर० कीशटय्या
1-1-336/2/1 वीवीकानगर धीकजपली हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबड
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदितकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

विभाग नं० धर नं० ओ० 1-8-60 धीकजपली हैदराबाद
खुली जमीन 258 वर्ग यार्ड है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 412/79
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-9-79
मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 26th September 1979

No. A.38013/1/79-Admn.III.—The President is pleased to permit Shrimati S. Krishnan a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th September, 1979 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.
(Incharge of Administration),
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS,

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 25th September 1979

No. S-16/70-AD.V.—On attaining the age of superannuation, Shri S. N. Basuroychaudhury, Dy. S. P. C.B.I. relinquished the charge of the office of Dy. S. P. in the C.B.I. with effect from the afternoon of 30-6-1979.

Q. L. GROVER

Administrative Officer (E)
C.B.I.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 26th September 1979

No. 11/42/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Hari Om Kumar Lavania, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 12 September, 1979, until further orders.

His headquarters will be at Lucknow.

No. 11/50/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on promotion, Shri S. B. Veerabhadra Rao, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations,

Andhra Pradesh, Hyderabad, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Arunachal Pradesh, Shillong, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 26 August, 1979, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. His headquarters will be at Shillong.

3. The above *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Rao any claim to regular appointment to the grade. The services rendered by him on *ad-hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to any next higher grade. The above *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/54/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Manmohan Krishna, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Assistant Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation basis, with effect from the forenoon of 24 August, 1979, until further orders.

His headquarters will be at Lucknow.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India.

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 26th September 1979

F. No. BNP/C/5/79.—Shri R. C. Agrawal, a permanent Junior Supervisor (Intaglio) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) purely on *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 (Group "B" Gazetted) w.e.f. 25-9-1979 (F.N.) for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

This *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis and the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

P. S. SHIVARAM,
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENTS
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 27 September 1979

No. 1800-CA. I/66-79.—Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (C) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders:—

Sl. No.	Name of the Section Officer (C)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as A. O. (C)	Date of posting as Offg. AO(C)
1.	2.	3.	4.	5.
	S/Shri			
1.	K. Subrahmanyam	Accountant General, Orissa.	Accountant General, Orissa.	15-6-79
2.	A. L. Shah	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi.	23-6-79
3.	T. R. Balasubramanian	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bombay.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bombay.	11-7-79
4.	B. K. Chowdhury	Member Audit Board & Ex-officio DCA, New Delhi.	Accountant General, Jammu & Kashmir.	17-7-79
5.	A. S. Bajwa	Accountant General, Punjab, Chandigarh.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi.	18-7-79
6.	D. K. Dutta	Member Audit Board & Ex-officio DCA, (Coal) Calcutta.	Accountant General, Assam etc. Shillong.	19-7-79

M. S. GROVER,
Deputy Director (Commercial)

COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE

New Delhi, the 31st August 1979

No. 1(7)-A/CPE/79.—On transfer from the Ministry of Home Affairs, Shri P. J. Patel, a permanent employee of the State Govt. of Gujarat is appointed to the post of Private Secretary (Selection Grade of C.S.S.S.) in the Commission on Public Expenditure in the scale of Rs. 775—1200 on usual deputation terms, with effect from the forenoon of 1st August, 1979, until further orders.

The 3rd September 1979

No. 1(8)-A/CPE/79.—On transfer from the Ministry of Defence, Shri Narinder Paul Jatelly, Stenographer Grade 'C' (Selection Grade) of C.S.S.S. Cadre of that Ministry is appointed to the post of senior Personal Asstt. (Grade 'B' of C.S.S.S.) in the Commission on Public Expenditure in the scale of Rs. 650-1040 on usual deputation terms with effect from the forenoon of 22nd August, 1979, until further orders.

U. S. TECKCHANDANI.

Under Secy. (Admn.)

Commission on Public Expenditure

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 24th September 1979

No. 18361/AN-I.—The President is pleased to accept the resignation of SMT NARESH BALA GOYAL from the Indian Defence Accounts Service with effect from 20th May 79 (Forenoon).

R. L. BAKHSI,

Addl. Controller General of Defence
Accounts (Admin.)

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-16, the 14th September 1979

No. 41/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. DM/DADG with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri Sukmar Kolay, AM(P)—30th June, 1979.
- (2) Shri U. Kulshrestha, AM(P)—30th June, 1979.
- (3) Shri R. K. Dixit, Offg. AM—30th June, 1979.
- (4) Shri Lachman Kumar, AM(P)—30th June, 1979.
- (5) Shri R. P. Nair, AM(P)—30th June, 1979.
- (6) Shri I. B. D. Gupta, Offg. AM—30th June, 1979.
- (7) Shri P. K. Bhowmick, AM(P)—30th June, 1979.
- (8) Shri Nanda Kumar, AM(P)—30th June, 1979.
- (9) Shri Bhoop Singh, AM(P)—30th June, 1979.
- (10) Shri A. K. Surendran, AM(P)—30th June, 1979.
- (11) Smt. Sashi Chaturvedi, AM(P)—30th June, 1979.

No. 42/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. AM/TSO with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri T. R. Sibbol, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (2) Shri A. K. Ghosh Dastidar, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (3) Shri P. V. Zacharia, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (4) Shri Baccha Singh, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (5) Shri A. K. De Sarkar, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (6) Shri K. M. Sampath, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (7) Shri A. K. Vijayan, Pt. Foreman—30th June, 1979.

- (8) Shri R. T. Haribhat, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (9) Shri R. P. Murthy, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (10) Shri M. R. Roy, Pt. S.A.—30th June, 1979.
- (11) Shri S. P. Sharma, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (12) Shri K. K. Paul, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (13) Shri K. K. Bhadra, Pt. Foreman—30th June, 1979.
- (14) Shri R. Venkatesan, Offg. Foreman—30th June, 1979.
- (15) Smt. Nibha Deb, Pt. S.A.—30th June, 1979.
- (16) Shri S. N. Dey, Offg. Foreman—30th June, 1979.
- (17) Shri H. S. Sethalia, Offg. Foreman—30th June, 1979.

V. K. MEHTA,

Asstt. Director General Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 22nd September 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

No. 6/599/60-Admn.(G)6989.—On attaining the age of superannuation, Shri Ajit Kumar Bose, an officiating Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, relinquished charge of that post on the afternoon of the 31st August, 1979.

C. S. ARYA,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports

For Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 19th September 1979

No. A-19018(394)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. C. Chatrath, Small Industry Promotion Officer Regional Testing Centre, New Delhi as Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) in the Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the forenoon of 31st August, 1979, until further orders.

No. A.19018(402)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Dilip Kumar Das as Assistant Director (Gr. I) (Metallurgy) in Small Industries Service Institute, Cuttack, with effect from the forenoon of 30th July, 1979, until further orders.

M. P. GUPTA

Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SEC-A.6)

New Delhi, the September 1979

No. A/17011/160/A-6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri G. G. De, a temporary Junior Field Officer in the Office of Director of Supplies and Disposals, Bombay to officiate on purely *ad-hoc* basis as Assistant Inspecting Officer (Met) in the office of Director of Inspection, Jamshedpur with effect from the forenoon of 7th September, 1979 and until further orders

The 26th September 1979

No. A/17011/159-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri M. Subramanian, Examiner

of Stores (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Madras to officiate on purely *ad-hoc* basis as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Calcutta w.e.f. the forenoon of 27th August, 1979 and until further orders.

The 27th September 1979

No. A/17011/156-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri V. Nandanan, a temporary Junior Field Officer in the office of Director of Supplies and Disposals, Madras to officiate on purely *ad-hoc* basis as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Office of Director of Inspection; Bombay with effect from the forenoon of 16th August, 1979 and until further orders.

No. A/17011/160-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri T. D. Singh, Junior Field Officer in the office of Director of Supplies and Disposals, Calcutta to officiate on purely *ad-hoc* basis as Asstt. Inspecting Officer (Met) in the Jamshedpur Inspectorate with effect from the forenoon of 31st August, 1979 and until further orders.

P. D. SETH,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 26th September 1979

No. A-17011/153-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Sunit Kumar Chakraborty, Examiner of Stores (Tex) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Textiles) in the Madras Inspectorate with effect from the forenoon of 16-8-1979 on purely *ad-hoc* basis and until further orders.

K. KISHORE,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

New Delhi, the 22nd September 1979

No. A-6/247(496).—In partial modification of the Notification No. A-6/76(4)/58/XV dated 21-6-1976 in so far as it relates to the entries against the name of Shri D. B. Jain at Sl. No. 28 of the said Notification, the President is pleased to appoint Shri D. B. Jain, an officer of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent post of Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engg.) in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from 27-8-1966 (A.N.) For the period from 27-8-1966 (A.N.) to 5-4-1970, Shri Jain will be adjusted against the supernumerary post created for his confirmation vide Ministry of Supply and Rehabilitation, (Department of Supply) letter No. A-31019/2/72-ESTT. (Vol. II) dated 31-3-1978.

K. KISHORE,
Deputy Director (Administration)

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 24th July 1979

No. 4-164/79/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Dr. (Smt.) Sushma Jaswal to a post of Assistant Anthropologist (physical) in this Survey at North East Region, Shillong, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 5th July, 1979, until further orders.

C. T. THOMAS,
Senior Administrative Officer

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 24th September 1979

No. A.12025/1/79-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri J. C. Khurana as Senior Artist, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 17th September, 1979, until further orders.

J. R. LIKHI
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th September 1979

No. A. 12025/7/76-Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. P. K. Karthiyani to the post of Nursing Adviser in the Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the forenoon of 20th August, 1979 in a temporary capacity until further order.

2. Consequent on appointment of Smt. P. K. Karthiyani to the post of Nursing Adviser, Smt. R. K. Sood relinquished charge of the post of Nursing Adviser, Directorate General of Health Services on the forenoon of 20th August, 1979 and reverted to the post of Nursing Officer on the same date i.e., 20th August, 1979 (FN).

No. A. 12023/2/77(JIP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Braj Kishore Prasad in the post of Deputy Director (Administration) at the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education & Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of the 20th August, 1979 in an officiating basis and until further orders.

No. A.38012/3/79-(HQ)Admn.I.—On attaining the age of superannuation Shri R. D. Garg, Deputy Director Administration in the Directorate General of Health Services, New Delhi retired from Government service on the afternoon of the 31st August, 1979.

The 26th September 1979

No. A.12025/3/76(JIP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. Kasinathan to the post of Lecturer in Zoology, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, in a substantive capacity with effect from the 29th July, 1978.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Admn. (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 28th September 1979

No. A-19023/58/78-A.III.—The short-term appointments of the following officers to the posts of Marketing Officer (Group I) in this Directorate have been extended upto 31-12-79 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

1. Shri S. B. Chakravarty.
2. Shri S. V. Krishnamurthy.
3. Shri R. V. Kurup.
4. Shri S. D. Phadke.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 26th September 1979

No. PPED/3(262)/76-Adm./14268.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. T.

Varwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 24, 1979 upto the afternoon of November 8, 1979 *vice* Shri K. Sankaran Kutty, Assistant Personnel Officer, deputed for training.

B. V. THATTE
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

P. O. Narora, the 27th September 1979

No. NAPP/Adm/1(152)/79-S/10909.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri Mehdi Imam to officiate as Industrial Relations Officer in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of September 5, 1979 until further orders.

S. KRISHNAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 1st September 1979

No. DPS/2/1(25)/77-Adm/22991.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Babu Dhondant Kavishwar a permanent Accountant and officiating Asstt Accounts Officer, to the post of Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the Madras Regional Accounts Unit of this Directorate with effect from the forenoon of July 31, 1979 until further orders *vice* Smt. B. Shakuntala, whose services are placed at the disposal of Ministry of Commerce on deputation terms.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

Bombay-400 001, the 26th September 1979

No. DPS/23/8/77/Est/29652.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Asstt. Accountants of this Directorate to officiate as Asstt. Accounts Officer on an *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same directorate for the periods indicated against each :—

S. No.	Name	From	To
1.	Shri A. M. Parulkar	29—3—79	30—4—79
2.	Shri V. V. Sawant	21—5—79	22—6—79

C. V. GOPALAKRISHNAN
Assistant Personnel Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 21st September 1979

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Arvind Balasaheb Awati as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd May 1979 until further orders.

The 26th September 1979

No. AMD-1/13/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Jai Joseph as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the afternoon of 5th September 1979 until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 26th September 1979

No. E(1)00803.—The President has been pleased to appoint Shri V. P. Kumble, Officiating Meteorologist Grade I, India Meteorological Department, to officiate as Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur with effect from the forenoon of 27-8-1979 and until further orders.

S. K. DAS
Dy. Director General of Meteorology
(Administration & Stores)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th September 1979

No. A. 32013/10/79-EI.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. R. Bhatia, a permanent Accountant in this Department to the post of Accounts Officer, Civil Aviation Department, New Delhi, on *ad hoc* basis for a period of 49 days with effect from the 1st September 1979, *vice* Shri P. R. Laroia granted leave.

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 20th September 1979

No. A-39013/7/79-EA.—Shri A. K. Sharma, Asstt. Aerodrome Officer, Bombay Airport resigned from Government service with effect from the 28-8-1979 (AN).

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA

Dehra Dun, the 26th September 1979

No. 16/335/79-Est-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri P. Narayanappa as Research Officer, Forest Research Laboratory, Bangalore with effect from the forenoon of 27th July, 1979 until further orders.

GURDIAL MOHAN
Kul Sachiv,
Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 3rd October 1979

No. II(7)2-ET/79/12361.—The following officiating/confirmed Superintendent, Group 'B' of this Collectorate has retired from service on superannuation w.e.f. the dates indicated against each :—

Sl. No.	Name (S/Shri)	Date of Superannuation.
1	2	3
1.	Jagnarain Prasad	31-10-78 (A.N.)
2.	D. N. Singh	30-11-78 (A.N.)
3.	Md. N. Hoassan	31-1-79 (A.N.)
4.	P. R. Sharma	31-1-79 (A.N.)
5.	N. N. Sinha	31-1-79 (A.N.)
6.	G. N. Verma	31-1-79 (A.N.)
7.	B. N. P. Sinha	31-1-79 (A.N.)

1	2	3
8.	Keswar Prasad Verma	28-2-79 (A.N.)
9.	V. D. Chaudhary	28-2-79 (A.N.)
10.	M. Pradhan	31-3-79 (A.N.)
11.	C. D. Nath	30-4-79 (A.N.)
12.	K. N. Prasad	31-5-79 (A.N.)
13.	R. P. Tiwary	31-8-79 (A.N.)

D. K. SARKAR,
Collector,
Central Excise : Patna

Madras, the 7th September 1979.

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

No. 4/79.—Shri R. N. VISWANATH, a Union Public Service Commission Candidate is appointed as Direct Recruits Appraiser (Expert) in this Custom House with effect from 31-8-1979 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

A. C. SALDANHA
Collector of Customs

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 22nd September 1979

No. 9/79.—Shri R. K. Kapoor, I. Asstt. Collector of Central Excise lately posted in the Deptt. of Revenue, Ministry of Finance, on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at New Delhi vide Govt. of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue) Order No. 166/77 (F. No. A-22012/36/79-Ad. II) dated 11-9-1979, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'A' on the 12th Sep., 1979 (F.N.).

DAYA SAGAR
Director of Inspection

CENTRAL RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE

Bombay V. T., the 7th September 1979

No. HPB/220/G/I/TC.—The following Officers are confirmed in Senior Scale of the Indian Railways Traffic Service from the dates shown against each:—

Sr. No.	Name	Date of confirmation.	
		Provisional.	Final
1	2	3	4
1.	Shri S. K. Agrawal	19-2-1970	1-9-71
2.	Shri S. N. Sharma	1-9-1971	1-9-71
3.	Shri R. K. Sharma		1-11-72
4.	Shri S. K. Singh		21-5-73
5.	Shri B. K. Verma		5-3-75
6.	Shri C. M. Khosla		5-3-75
7.	Shri P. C. Joherey		1-7-75

1	2	3	4
8.	Shri Vinay Kumar		23-8-75
9.	Shri R. C. Saxena		1-10-75
10.	Shri V. K. Sinha		1-12-75
11.	Shri M. C. Kapoor		1-5-76
12.	Shri R. L. Seth		2-8-76
13.	Shri Sushil Kumar		1-10-76
14.	Shri T. Kumar Das		1-5-77
15.	Shri Satyendra Kumar		1-7-77
16.	Shri S. P. Sharma		30-11-77

KRISHAN CHANDRA,
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD (OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES)

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Chandra Gupta Prakashan Limited*

Patna, the 26th September 1979

No. (40)560/78-79/3263.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chandra Gupta Prakashan Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE,
Registrar of Companies,
Patna, Bihar

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Uma Investment Private Limited*

Bombay, the 27th September 1979

Co. No. 13110/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Uma Investment Private Limited has been ordered to be wound up by an order dated 23-7-1976 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

Sd. ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Bombay, Maharashtra

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Potdar Agencies Private Limited*

Gwalior-474009, the 27th September 1979

No. 790/Liqn./C.P./3328.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Potdar Agencies Private Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh, Gwalior

FORM ITNS—

(1) Shri Meer Singh, Khilli Ram & Lakhi Ram s/o Chandgi, r/o Mohd Pur, Munirka, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bahadur Singh s/o Sh. Bishan Singh r/o c/o Kartar Singh Poultry Farm, Gadaipur, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC/Acq-I/SR-III/974/Jan-II(20)/78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 226 (4-16), 225 (4-16), 276/1 (1-0), situated at Village Gadaipur, New Delhi.

and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 24-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 10 bighas 12 biswas, Khasra No. 226 (4-16), 225 (4-16), 276/1 (1-0), situated in Village Gadaipur, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 24-1-79.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC/Acq-I/SR-III/1-79/930.—Whereas I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Khasra No. 227, situated at Village Gadaipur, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-1-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed, by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bhawati w/o Bharat Singh, Shanti w/o Dharam Singh Chameli Wd/o Diwan Singh and Hira Wati w/o Attar Singh r/o Kotla Mubarakpur, New Delhi through general attorney Sh. Daya Ram s/o Sh. Muni Ram r/o Gadaipur, New Delhi.

(Transferors)

- (2) Shri Lakhbir Singh s/o Amir Singh r/o Gadaipur, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 3 bighas 4 biswas Khasra No. 227, Village Gadaipur, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 8-1-79

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC[Acq-I]SR[III]Jan-I (21&22)/78-79/931.—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 212, situated at Village Gadaipur, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

- (1) Shri Bhim Singh s/o Sh. Jhandoo Singh & Shib Narain s/o Jhandoo Singh, r/o Village Khayalla, Delhi, through General attorney Sh. Daya Ram s/o Muni Ram r/o Gadaipur, New Delhi.

(Transferors)

- (2) Lakhbir Singh s/o Amir Singh R/o Gadaipur, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas 8 biswas, Khasra No. 212, Village Gadaipur, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 8-1-79.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC/Acq-I/SR-III/Jan-I(49)/78-79/947.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing K-No. 213/1 (2-8), 213/2 (2-8), situated at Village Gadaipur, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12-1-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Mange Ram s/o Budh Ram r/o 35, Yusuf Sarai, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Lakhbir Singh s/o Amir Singh r/o Gadaipur, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 4 bighas 16 biswas, K. No. 213/1 (2-8), 213/2 (2-8), Village Gadaipur, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 12-1-79.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXINCOME TAX, ACQUISITION RANGE I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No.IAC/Acq-I/SR-III/984/Jan II (30)/78-79/.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agr. land No. 581/1, 581/2, 582/2 situated at Village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Jan. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri (1) Prithi s/o Fattan (2) Raghbir Singh (3) Ant Ram (4) Ram Saroop sons of Prithi (5) Smt. Anto Devi w/o Sinehro (1/6 share). (6) Smt. Bohti w/o Mohar Singh (1/6 share) (7) Smt. Birkma w/o Sh. Hukham Singh (1/6 share) (8) Smt. Shameli w/o Shri Sis Ram (1/6 share) (9) Smt. Phool Wati Wd/o Mithu (1/6 share) (10) Keso Ram (11) Daya Chand & Vijay Singh sons of Risal (1/6 share) through Sish ram s/o Fattan R/o Gadaipur, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Gunwati w/o Nanak Ram R/o Gadaipur, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area bighas 12 biswas, Khasra No. 581/1, 581/2, 582/2, situated at Village Gadaipur, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on Jan. 1979.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC/Acq-I/SR-III/965/Jan.II (11)/78-79/—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. Land Nos. 135(4-4), 136(5-0), 137 (4-16), situated at Village Chandan Hula, Tehsil, Mehrauli, N. Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-1-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
15—286GI/79

- (1) Mr. Rati Khan & Mr. Mohammad Khan Sons of Sh. Mudari r/o Village Chandanihula, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Subhash Chopra, Sunil Chopra, Esha Chopra & Kumkum Chopra, r/o 2-A, Matcalf Road, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area, 14 bighas, Khasra No. 135 (4-4) 136 (5-0), 137 (4-16), Village Chandan hula, Tehsil Mehruli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 15.1.1979.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 16th August 1979

Ref No. ASR/79-80/142.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Sultanwind Taran Taran Rd. ASR. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on 19 January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Mohinder Singh Swinder Singh & Rajinder Singh Gurdev Singh ss/o S. Ghasita Singh r/o Nazampur Distt. Amritsar.

(Transferor)

- (2) S/Shri Balwant Singh, Dalbir Singh & Ajaib Singh ss/o S. Sunder Singh r/o Chowk Baba Bhorl wala House No. 2588/5, Amritsar.

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any-other person (1) interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1625 sq. yds. situated at Sultanwind, Taran Taran Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3752/I dated 11-1-79 of the registering authority. Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 16-8-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. Ghasita Singh s/o S. Bhan Singh r/o Nizam-pur Distt. Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S./Sh. Balwant Singh Dalbir Singh & Ajaib Singh ss/o S. Sunder Singh r/o Amritsar Chowk Baba Bhoori wala House No. 2588/5, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)(4) Any other person (s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, 16th August 1979

Ref No. ASR/79-80/143.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Sultanwind Rd. Taran Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar city in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1025 sq. yds. situated at Sultanwind Taran Taran Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3751/I dated 11-1-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date : 16-8-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, 18th August 1979

Ref No. TT/79-80/144.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land situated in village Khan Raizada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Taran Taran on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chand Kaur d/o Ganda Singh r/o Village Khan Raizada Tehsil Taran Taran (Transferor)
- (2) Sh. Sukhdev Singh s/o S. Mewa Singh of village Khan Raizada, Tehsil Taran Taran (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural and measuring 32 kanals situated in village Khan Raizada Tehsil Taran Taran as mentioned in the registered sale deed No. 5892 dated 30-1-79 of the registering authority, Taran Taran.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date : 18-8-79
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Sh. Surinder Kumar Sehgal s/o Sh. Shori Lal 92,
Kenedy Avenue Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Sham Sumder s/o Sh. Gorishanker, Katra &
Kucha Bhai Sant Singh, Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, 20th August 1979

Ref. No. ASR/79-89/145.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land situated at

Circular road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar city

in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 458.2 sq. mtrs situated on circular road Amritsar, as mentioned in the registered deed No. 4021/I dated 30-1-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-8-79.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AMRITSAR

Amritsar, 20th August 1979

Ref. No. ASR/79-80-146.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land situated on Circular Rd. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Amritsar city

Registering Officer at Amritsar city in January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

(1) Sh. Surinder Kumar s/o Sh. Shori Lal, 92 Kenedy Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Inderjit Singh s/o Sh. Gurdit Singh, 18 Albert Road Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 458.2 sq. mtrs. situated on the circular road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4038/I dated 31-1-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspection Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 20-8-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/147.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One shed situated at Dhapai Road, Daim Ganj, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in January, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mehar Singh Tarlok Singh s/o Shri Sunder Singh, r/o 475 Green Avenue, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Bhajan Lal s/o Shri Amar Nath Prop. M/s. Alliance Trading Co. Gali No. 3, Putlighar Amritsar.
(Transferee)

(3) As mentioned at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shed situated at Dhapai Road, Daim Ganj, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 4039/I dated 31-1-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 24-8-1979.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 27th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/48.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One Building situated at Katra Sher Singh ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar city in January, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Piara Lal, Mohan Lal s/o Shri Paras Ram r/o 34, New Telephone Exchange, Amritsar.
(Transferor)

(2) S/Shri Amar Nath s/o Shri Hakam Rai and Shri Baldev Raj s/o Shri Amar Nath r/o 92 Katra Jaimal Singh Amritsar.
(Transferee)

(3) As mentioned at Sr. No. 2 and tenant(s) if any, if any. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building area 114 sq. mtrs situated in Ktr. Sher Singh Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3665/1 dated 5-1-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-8-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/149.—Whereas, J. M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One building situated at Ktr. Sher Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar city on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—286GI/79

- (1) Smt. Sneh Lata w/o Shri Tarlook Chand and Smt. Romesh Kumari w/o Shri Jagdish Chand r/o 1563/8 Bajar Nimak Mandi, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Mulesh Chander s/o Shri Ram Lal and Shri Shankar Lal s/o Shri Devi Dial r/o 109 Krt. Jaimal Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As mentioned at Sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any. [Person(s) in occupation of the Property].

- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building area 114 sq mtrs. situated in Ktr. Sher Singh Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3664/I dated 5-1-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-8-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 27th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/150.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No.

Plot of land situated at Sultanwind Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar city on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Satwant Kaur w/o Kartar Singh r/o Majitha Tehsil Amritsar.
(Transferor)
- (2) M/s. Itfaq Foundry works, East Mohan Nagar, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As mentioned at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1708.33 sq. mtrs. situated on Sultan Wind Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3629/I dated 2-1-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date :27-8-1979,

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/151.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land situated at Sultanwind Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar city on January, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jaswant Kaur w/o S. Kartar Singh r/o Majitha Tehsil, Amritsar.
(Transferor)
- (2) M/s. Itfaq Foundry works, East Mohan Nagar, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As mentioned at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1708.33 sq. mtrs. situated on Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in registered sale deed No. 3792/I dated 15-1-79 of the registering authority, Amritsar tehsil.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 27th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/152.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land situated at Sultanwind Road, Amritsar has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Amritsar city on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kulwant Kaur w/o S. Mohan Singh r/o Majitha, Tehsil Amritsar.
(Transferor)
- (2) M/s. Viridi Bobinz Industries, (Pvt.) Ltd., East Mohan Nagar, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As mentioned at Sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 2333.33 sq. mtrs. situated on Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3630/I dated 2-1-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/153.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot of land situated at Sultanwind Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar city on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kulwant Kuar w/o S. Mohan Singh r/o Majitha, Tehsil Amritsar.

(Transferor)

- (2) S. Tarlok Singh S/o S. Shad Singh, Harbans Singh Ajaib Singh Anup Singh ss/o Tarlok Singh, r/o Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As mentioned at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the Property].

- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1937-50 sq. mtrs. situated on Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3791/1 dated 15-1-79 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-8-1979.

Seal :

FORM ITNS.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/154.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot of land at Duni Chand Road, AASR (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SR Amritsar city on January, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pritpal Singh s/o Maj. Harnam Singh r/o 44 Shaheed Bhagt Singh Road, now 54-M. G. Road, Anand Bazar, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Banarsi Lal s/o Shri Gopi Ram r/o Ktr. Sher Singh (Sawtri Bhavan) Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 14 situated at Rai Bahadur Duni Chand Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 934/I dated 24-1-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1979

Ref No. PTK/79-80/155.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land in vill. Daultpur situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Savitri Devi, Mission Road, Pathankot, (Transferor)
- (2) Shri Bhagwan Dass s/o Shri Ram Lal of Pathankot Dhoki Tehsil Pathankot, Distt. Gurdaspur, (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any, if any. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 kanals situated in village Daulat Pur, tehsil Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2220 dated 11-1-79 of the registering authority, Pathankot.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-9-1979.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 4th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/156.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- One property situated at Katra Gurba Bazar Jaura Pipal Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar city on January 1979 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Ajit Singh Chawla s/o Joginder Singh and Vavinder Singh Chawla minor sons Shri Joginder Singh Chawla (Natural guardian).

(Transferor)

- (2) Shri Kishan Chand s/o Shri Sunder Dass and Darshan Lal s/o Shri Rakha Mal r/o 116 Shakti Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the property]

- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objeticons, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 243 and 247/7 situated at Katra Garbha Singh Bazar Jaura Pipal, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3650/1 dated 5-1-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/157.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1/2 share in property situated at Majith Mandi, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar city on January, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
17—286GI/79

- (1) Smt. Sawaranjit Kaur w/o Pirtpal Singh r/o G.I. 1032 Sarojani Nagar, Delhi, Harjit Singh Mukhtar (Aam).

(Transferor)

- (2) Smt. Asha Rani w/o Shri Kunj Lal r/o E/F 430 Krishna Nagar, Jullundur city.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any, if any. [Person(s) in occupation of the Property].

- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 property No. 336/6 situated in Bazar Majith Mandi Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 3746/I dated 11-1-79 of the registering authority Amritsar City.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-9-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/158.—Whereas, I M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in property situated at Majith Mandi, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harjit Singh s/o S. Nikka Singh r/o 2/101 Rup Nagar, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Radha Rani w/o Shri Kashmiri Lal r/o 2/A New Gobind Garh Jullundur city.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
if any. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 property No. 336/6 situated in Bazar Majith Mandi, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3745/1 dated 2-1-79 of the registering authority Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-9-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/159.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Bhagtanwala Gate Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) S/Shri Budh Singh s/o Bishan Singh and Harbans Singh S/o Bishan Singh,
r/o Dhab Wasti Ram, Amritsar.

(Transferor)

- (2) S. Amrik Singh s/o S. Ajit Singh,
r/o 63, Sant Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property].

- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Bhagtanwala Gate within municipal limit, Amritsar, as mentioned in the registered deed No. 3941/I dated 24-1-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, (IRS.)
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-9-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/160.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Shed situated at Bhagtanwala Gate, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Budh Singh s/o Bishan Singh and Harbans Singh S/o Bishan Singh, r/o Dhab Wasti Ram, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Ajit Singh s/o S. Bhagat Singh, r/o 63, Sant Nagar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shed situated at Bhagtanwala Gate near Sant Nagar, Amritsar, as mentioned in the registered deed No. 4155/1, dated 13-2-79 of the registering authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, (IRS.)
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-9-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 4th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/161.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One double storeyed house situated at Dhariwal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Gurdaspur on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

- (1) Sh. Vyas Dev s/o Shri Ram Saran Dass, R/o Dhariwal Tehsil Gurdaspur.
(Transferor)
- (2) Shri Devi Sharan s/o Shri Jagdish Raj, Dhariwal Tehsil, Gurdaspur.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenants(s) if any.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storeyed house (area 10 marlas) situated in Dhariwal Tehsil and District Gurdaspur as mentioned in the registered sale deed No. 6670 dated 28-1-79 of the registering authority, Gurdaspur.

M. L. MAHAJAN, (IRS.)
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/162.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land situated at Batala Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar on January, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pushpa Wati wd/o Shri Durga Dass,
R/o Amritsar Cantt., Amritsar.

(Transferor)

- (2) Psychological Health Centre at Batala Road,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property].

- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1080 sq. yds. situated on Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3712/I dated 9-1-1979 of the registering Authority, Amritsar city.

M. L. MAHAJAN, (IRS.)
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-8-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st September 1979

Ref. No. ASR/79-80/163.—Whereas, I. M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land situated at Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dharam Pal s/o Durga Dass,
R/o Amritsar 15, Cantt., Amritsar. (Transferor)
- (2) Psychological Health Centre at Batala Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) in any, [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1082 sq. yds. situated on Batala Road, Amritsar as mentioned in the regt. sale deed No. 3711/I dated 9-1-1979 of the registering authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN, (IRS.)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/164.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot of land situated in Sultanwind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on January, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Harjit Singh s/o S. Gurcharan Singh,
R/o house No. 6, Tej Nagar Sultanwind Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Amarjit Singh s/o Pritam Singh,
R/o House No. 2392/5, Chowk Mana Singh, Kucha
Nadhalian, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 785 sq. yds. situated in Sultanwind, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3762/1 dated 11/12-1-79 and Registering Authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1979

Ref. No. ASR/79-80/165.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Kapur Nagar Sultanwind Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 18-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—286GI/79

(1) S. Amar Singh Masa' Hakeem s/o S. Asa Singh Chowk Baba Pahauri wala Amritsar and Dalip Singh s/o S. Raula Singh, R/o Gali Langarwali, Amritsar.

(Transferors)

(2) S. Harbhajan Singh Gurdev Singh, Ram Singh Sukhpal Singh and Surjit Singh ss/o Shri Pura Singh, House No. 4825/27 Cali No. 3, Saravarpura Amritsar.

(Transferees)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 656 sq. yds, situated Kapur Sultanwind Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3838/I dated 18-1-1979 of the Registering Authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/166.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed-Rs. 25,000/- and bearing No. One house situated at Patel Chowk, Amritsar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sant Ram s/o Rattan Chand,
R/o Shastri Market, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Shantidevi w/o Late Shri Babu Lal,
R/o Bagh Rama Nand, Gali No. 2, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 194/IV-2 MCA area 60 sq. mts. ($\frac{1}{2}$ share) situated in Patel Chowk, Amritsar as mentioned in registered sale deed No 4028/I dated 31-1-79 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 10-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/167.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house in Patel Chowk situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sant Ram s/o Shri Rattan Chand,
R/o Shastri Market, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla devi w/o Shri Romesh Chand,
R/o Gali No. 2, Bagh Rama Nand, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overlaid and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in house No. 192/IV-4 MCA situated in Patel Chowk, Amritsar as mentioned in the regd. sale deed No. 4079/I dated 5-2-1979 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

§ Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 12th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/168.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house on Plot No. 144, situated at Chatiwind, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 6-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

- (1) Shri Maan Singh s/o S. Attar Singh,
Chowk Baba Sahib, Gali Panjab Singh, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Gauri Kaur w/o Shri Sakhira Singh, Jaswant
Kaur w/o Ganga Singh,
R/o Abadi Sri Guru Ram Dass Sarai, Amritsar.
(Transferees)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house on plot No. 144 situated inside Chitwind Abadi, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4095/I dated 6-2-1979 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-9-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/169.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at village Dagg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ajnala on January 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mahant Madho Dass Chela Ram Dass,
R/o Dagg tehsil Ajnala.
(Transferor)
- (2) Shri Mukhtar Singh, Jaswant Singh ss/o Dalip Singh,
R/o village Veroke tehsil Ajnala.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 66 kanalas 12 marlas situated in village Dagg tehsil Ajnala as mentioned the registered sale deed No. 4112 dated 21-1-79 of the Registering Authority, Ajnala.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-9-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/170.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land in village Dagg situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Ajnala on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mahant Madho Dass Chela Ram Dass,
R/o Dagg tehsil Ajnala.
(Transferor)
- (2) Shri Jagtar Singh Massa Singh ss/o Dalip Singh,
R/o Veroke tehsil Ajnala.
(Transferees)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 66 kanals 13 marlas situated in village Dagg tehsil Ajnala as mentioned in the registered sale deed No. 4113 dated 31-1-79 of the Registering Authority, Ajnala.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-9-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 14th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/171.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land in village Nassar, situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Ajnala on January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Poli d/o Isher Singh,
R/o Nassar tehsil Ajnala.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh, Harbans Singh, Piara Singh,
ss/o S. Shangara Singh,
R/o village Nassar tehsil Ajnala.

(Transferees)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 70 kanals 10 marlas in village Nassar tehsil Ajnala as mentioned in the registered sale deed No. 3750 dated 1-1-1979 of the Registering Authority Ajnala.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Gopal Singh adopted s/o Maj. Harinder Singh,
R/o Raja Sansi tehsil Ajnala.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/172.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land in village Rajasansi, situated at Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Ajnala on January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (2) Mohan Kaur, Prit Mohan Kaur, Deep Mohan Kaur, Anil Mohan Kaur, ds/o Shri Shashpal Singh, Rajasansi.
(Transferees)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property].

- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 132 kanals 2 marlas situated in village Rajasansi as mentioned in the registered sale deed No. 3959 dated 19-1-1979 of the Registering Authority, Ajnala.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 14-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/173.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land in village situated at Khiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Ajnala on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—286GI/79

(1) Shri Shamsher Singh s/o Bhagwan Singh,
R/o Khiala Khurd, Tehsil Ajnala. (Transferor)

(2) Shri Amar Singh s/o Mohan Singh,
R/o Khiala Khurd, Tehsil, Ajnala. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 42 kanals 6 marlas situated in village Khiala Khurd, Tehsil Ajnala, as mentioned in the registered sale deed No. 4055 dated 25-1-1979 of the Registering Authority, Ajnala.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-9-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/174.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Nirmla Vati w/o Shri Hiral Lal,
R/o House No. 2253 Lambi Gali Katra Dulo,
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Kuldip Raj s/o Shri Amar Nath,
R/o H. No. 691/13, Rani Bazar, Sharifpura,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 3 situated at Abadi Gopal Nagar (Khasra No. 125/73 Amritsar, as mentioned in the registered deed No. 3754/I dated 12-1-79 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 18-9-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 18th September 1979

Ref. No. ASR/79-80/175.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One shop in Moti Bazar Ktr. Ahluwalia situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January, 1979, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Kulwant Kaur wd/o Gurdial Singh,
R/o Sham Nagar, Tehsil Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Kamaljit Kaur w/o Sarabjit Singh.
Lady Health Visitor, P.H.C., Verka, (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop situated at Moti Bazar, Katra Ahluwalia, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3656/I dated 5-1-79 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 18-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th September 1979

Ref. No. RAC. 196/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-323, 323/1 of 5 situated at Umabagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sri K. Raghavender Rao, 2. K. Tirumaleshwar Rao, 3. K. Umapathy, 4. K. Anil, 5. K. Raghuma-veer, 6. K. Sudhir, 7. K. Rameshwaramma, 8. Lakshmi Devi, W/o Satyanarayana Reddy, all residing at H. No. 10-2-521 Asifnagar, Hyderabad.
(Transferors)
- (2) S/Sri Mohd. Abdul Raheem, 2. M. A. Nayeem Zakce, 3. M. A. Saleem, 4. M. A. Muneem, 5. M. A. Kalcem, 6. M. A. Muqueem, all residing at H. No. 21-3-406 at Mehboob-ki-Mehndi, Hyderabad.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing M. No. 5-8-323, 323/1, 323/2, 323/3, 323/4, 323/5 known as "Venkat Bhavan" at Umabagh, Nampally, Hyderabad, registered vide Document No. 173/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th September 1979

Ref. No. RAC, 197/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-8-107 situated at Station Road, Nampally, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Ali Bhai S/o Virji, H. No. 223 Kareemabad Co-operative Housing Society at Chiragali lane, Hyderabad.

(2) 1. Mohd. Obeidur Rehman,
2. Mohd. Abdul Rehman,
both residing at H. No. 10-6-180 at Syed Ali-Chabutra, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 5-8-107 situated at Station Road, Nampally, Hyderabad, registered vide Doc. No. 458/79 in the office of the Joint-Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th September 1979

Ref. No. RAC. 198/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-8-107 situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Smt. Basheerunnisa W/o late Mohd. Ghani, Co-operative Housing Society, Chiragali lane, Hyderabad.
- (2) 1. Smt. Basheerunnisa W/o late Mohd. Ghani, 2. Kumari Sadath Jahan, D/o late Mohd. Abdul Ghani, H. No. 20-6-180 at Syed-Ali-Chabutra, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of the House M. No. 5-8-107 at Station Road, Nampally, Hyderabad, registered vide Doc. No. 459/79 in the office of the Joint-Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Zaibunissa Begum, W/o Ltd. Col. Syed Basheeruddin Ahmed,
H. No. 10-1-127/2 Masab Tank,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Syeda Aftab, W/o Dr. Mohd. Aziz Sultaiman,
H. No. 10-1-128 at Masab Tank,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th September 1979

Ref. No RAC. No. 199/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10-1-128 situated at Masab Tank Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad, on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building M. No. 10-1-128 situated at Masab Tank, Hyderabad, registered vide Document No. 280/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-9-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th September 1979

Ref. No. RAC. No. 200/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 11 is situated at S. No. 56, 58 Begumpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Adusumilli Rama Devi, W/o Sri A. Krishna Murty H. No. 3-A Entrenchment Road, Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Siddiqua Tabassum W/o Major Syed Mishud-din, H. No. 10-3-304/12 at Humayun Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11 admeasuring 680 Sq. Yds. situated at Begumpet, Hyderabad, in Survey No. 56 to 58, registered vide Doc. No. 34/79 in the Sub-Registrar office Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Manilal Tankrson of Karsanji.
R/o Mancherial Tq-Luxettipet,
Adilabad-Dist.

(Transferor)

(2) Sri Mustyala Shankaraiah, S/o Narsaiah,
R/o Mancherial, Tq—Luxettipet,
Adilabad-Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th September 1979

Ref. No. RAC. No. 201/79-80.—Whereas, I K.K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24/12 situated at "Vasant Talkies" Mancherial (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mancherial on January-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinema Hall and godown known as "Vasant Talkies," M. No. 24-12 at Mancherial, Luxettipet-Tq. Adilabad-Dist. Registered vide Doc. No. 40/79 in the Sub-Registrar Mancherial.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—286GI/79

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-9-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th September 1979

Ref. No. RAC. No. 202/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 9 is situated at, 22-7-269/9 Dewan Delodi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Shaw Builders, 22-7-269-/3 at Dewan Dewdi, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kulsum Bee, W/o Mohd. Hasoon, H. No. 22-6-265/10 at Cooche-Naseem, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9 in the house M. No. 22-7-269/9 at Dewan Dewdi, Pattargatti, Hyderabad, admeasuring 250 Sq. ft. registered vide Document No. 43/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-9-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri O. Kumaraswamy, 2. O. Ramadas,
both residing at Guntakal, Ananthapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Obul Reddy, S/o Thimma Reddy,
R/o Guntakal, Ananthapur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 203/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. lands in situated, at S. No. 253 at Guntakal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Guntakal on January-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands 7.88 Acres, in survey Nos. 253 situated at Guntakal, Ananthapur, registered vide Document No. 45/79 in the office of the Sub-Registrar Guntakal.

K. K. VEER

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 204/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. lands in situated at S. No. 829, & 843/Somanapally, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Guntakal on January-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri K. Sethurama Sastry,
2. K. Sadasiva Sastry,
R/o Chinna Muttur, Ananthapur. (Transferor)
- (2) Sri Kakarla Ramachandra Naidu, S/o Rangaiiah,
R/o Somanapally, Guntakal-Tq. Ananthapur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in survey Nos. 829 and 843, 9.37 Acres, situated in Guntakal, Ananthapur-registered vide Doc. No. 7/79 in the office of the Sub-Registrar Guntakal.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-9-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Sri K. Sethurama Sastry, 2. K. Sadasiva Sastry,
S/o of K. Padmanabaidh, R/o Chinna Muttur-
Villg. Gooty-Tq. Ananthapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Kakarla Rangaiah S/o K. Kondaiah,
H. No. Sumanapally, Ananthapur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 205/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. lands situated at S. Nos. 829 & 843 at Guntakal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Guntakal on January-79

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands 9.37 Acres. in survey Nos. 829 and 843
situated at Sumanpally villg. Guntakal, Ananthapur registered
vide Doc. No. 8/79 in the Office of the Sub-Registrar, Guntakal.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-9-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 206/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 1-1-156/157 situated at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mrs. Avabai Behramchenoy,
2. Mrs. Roshan Minoo Patel,
3. Feroze Behram Chenoy,
4. Jehangir Behram Chenoy,
all residing in "Chun Villa" Banglow No. 64 in M. No. 1-1-156/157 at Sardarpatel Road, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Y. Shankar Rao, H. No. 7-1-406 at Maruthi Veedi, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Out houses with open site admeasuring 567 Sq. Yds. in the premises M. No. 1-1-156/157 at Sardar Patel Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 166/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-9-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 207/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Adarshanagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri G. Jagannadham H. No. 1 Cottage, Lalapet, Secunderabad.
(Transferor)
- (2) Sri Omprakash Tibrewala,
2. Smt. Parameshwari Devi,
H. No. 5-9-22/41/B at Adarshanagar,
Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land 452 Sq. Yds. at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 223/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-9-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 208/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 is situated at 4-1-738 at Mozamjahi Market, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such, transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. D. Shakuntala Devi W/o D. Nurasimha Reddy, H. No. 4-1-738 at Tuljaguda, Hyderabad. (Mozamzahi Market).

(Transferor)

(2) Smt. S. Sakkubayamma, W/o Balappa, H. No. 4-1-738 (1st floor) Quarter No. 24 Wana-pathy Quarters, near Mozamzahi Market, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Quarter No. 24 (1st floor) bearing M. No. 4-1-738 at Tuljaguda Mozamzahi Market, Hyderabad, registered vide Doc. No. 332/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-9-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 209/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-7-4 to 19 situated at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in or of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—286GI/79

(1) Sri Khaja Ahmedullah Khan, S/o late Khaja Asadullah Khan, R/o Monica Estate, Valparai, Coimbatore, Tamilnadu.

(Transferor)

(2) M/s. Thirumalai Traders, Represented by its partner Sri Lakshminarayan Agarwal H. No. 3-6-108/A Saheedyar Jung lane, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building out houses structures bearing M. No. 1-7-4 to 1-7-19 at Sardar Patel Road, Secunderabad, 9382 Sq. Yds. registered vide Document No. 379/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1979

Ref. No. RAC. No. 210/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-3-313/3 situated at Masab Tank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. G. Varalakshamma, W/o Jagannadha Sastry, H. No. 10-3-313/3 at Masab Tank, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Dr. T. Kameshwari Rangiah, W/o Dr. Rangaiah, H. No. F-1, B-14 MIGH, Vijayanagar, Colony, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 10-3-313/3 at Masab Tank, Hyderabad, registered vide Document No. 57/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-9-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 211/79-89.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-248/3 situated at Banjara Hills, Road, No. 1, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Annees Fatima,
W/o Shri Hasnuddin Ahmed,
2. Sri Hasnuddin Ahmed,
both R/o H. No. 22-1-957 at Aziz Bagh,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Shri J. Bhasker Rao,
S/o Sri J. Narsing Rao, Advocate,
H. No. 3-5-170/1/4 at Narayanaguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 6-3-248/3 Double storeyed building at Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 453/79 in the office of the Joint Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 212/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4 & 5 situated at Ward 3, B-6 at Murlidhar Bagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kausalya Sharma,
W/o Shri S. L. Sharma,
R/o H. No. 15-2-453 at Kishe Gunj,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Somawani
W/o Sri Sardar Amrit Singh,
Surjit Co., Afzal Gunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 4 and 5 ward No. 3 and Block No. 6 situated at Murlidhar Bagh, Basheerbagh, Hyderabad, 374 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 456/79 in the office of the Joint Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 213/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-11-740/4/A/1 situated at Gandhinagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Kanna Kishan
W/o late B. Ramalal Kishan,
2. Shri Sunil Kishan,
3. Kum. Purnima Kishan,
4. Shri Anil Kishan,
all R/o H. No. 4-1-1240 at Road King Koti,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Tummala Rama Laxmi
W/o late Venkat Reddy,
R/o Endapally Village,
Karimnagar-Dist.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of main building with land admeasuring 550 Sq. Mts. M. No. 16-11-740/4/A/1 within S. No. 315/3 of Gaddi Annaram Villg. Hyderabad, registered vide Doc. No. 548/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 214/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 7.23 Acre situated at Gachi Bowli, Rang. Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad-West on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Chenna Reddy Gari Pedda Eshwar Reddy, Rep. by his Attorney Sri Cheena Reddy, Gari Siva Reddy 6-2-966/10 at Khairtabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Chenna Reddy Gari Bala Mohan Reddy, S/o Sri C. Joseph Reddy, H. No. 6-2-966/10 at Khairtabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7 Acre 23½ guntas of agricultural land at Gachi Bowli, village Hyderabad, West-Tq. Rangareddy-Dist. registered vide Doc. No. 148/79 in the Office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No, RAC. No. 215/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

No. 3-10-81/1 situated at Jangaon, Warangal-Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jangaon on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Shri S. Appaiah, 2. S. Venkataratnam, 3. V. Purnachandra Rao, 4. Ch. Bhaskar Rao, 5. Ch. Mohan Rao, partners in M/s. Sun Shine Cable Industries, Jangaon, Warangal-Dist.

(Transferor)

- (2) Sri S. Appaiah, M.D. Sun-Shine Cable Industries Pvt. Ltd., Industrial Estate, Jangaon, Warangal-Dist.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot C-I and Factory Building No. 3-10-81/1 at Industrial Estate, Jangaon, Warangal-Dist. registered vide Doc. No. 420/78 in the Office of the Sub-Registrar Jangaon, Warangal Dist.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 216/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot land situated at No. 144 P.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Narainbai,
W/o Sri Kishinchand,
2. Sri Ashanand,
S/o Sri Kishinchand,
1-8-229/10 P. Penderghast Road,
Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Kishinchand,
S/o late Raghunad,
H. No. 1-8-229/10 at P. G. Road,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land No. 144 situated at Penderghast Road, admeasuring 565 Sq. Yds. Secunderabad, registered vide Document No. 100/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 217/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 28/B situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—286GI/79

- (1) Smt. K. Joyti Reddy,
W/o K. Pandu Ranga Reddy,
H. No. 3-5-1089/9 at Narayanguda,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri M. Damodhar Reddy,
(Khaderabad Villg) present
H. No. 1-1-590 at Gandhinagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land 350 Sq. Yds. plot No. 28/B at Domalguda, Gaganmahal Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 111/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 218/79-80.—Whereas, I. K. K. VEER being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mulgi No. 5-4-150 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Prabodh Balwant Rai Bhutta
2. Sri Mahender Balwant Rai Bhutta,
both R/o H. No. 5-4-165 Ginawala Compound
Ranigunj, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Sri M. Sudhesh Kumar,
S/o M. Premlal,
R/o H. No. 14-9-833 at Jumerat Bazar,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi M. No. 5-4-150 at Mahatma Gandhi Road, Ranigunj, Secunderabad, admeasuring 72 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 63/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. 219/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of 1-2-212/1/C/1 situated at Domalguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Amar Bin Abdullah alias Amru, R/o 19-1-180 Doodbowli, Hyderabad.
2. M. Seethal Singh, R/o 3-5-628 Vithalwadi Narayanaguda, Hyderabad.
3. M. Shankar Singh
4. M. Manohar Singh
5. M. Vijay Singh
6. M. Arvind Singh,
7. M. Baldev Singh, all R/o 3-5-628 Vithalwadi, Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Anne Adinarayana S/o Sri Venkataramiah, H. No. 3-6-369/A9 Road No. 1, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 267 Sq. Yds. in S. No. 192 and in the premises M. No. 1-2-212/1/C/1 Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 212/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 220/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 1-2-212/1/C/1 situated at Gaganmahal Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Amar Bin Abdullah alias Amru, H. No. 1-1-180 Dood-bowli, Hyderabad.
2. M. Seethal Singh, 3. M. Shankar Singh,
4. M. Manohar Singh 5. Vijay Singh,
6. Arvind Singh, 7. Baldev Singh,
all r/o H. No. 3-5-628 at Vithalwadi, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Mrs. A. Saroja
W/o Adinarayana,
H. No. 3-6-369/A9 at Road No. 1,
Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 333 Sq. Yds. at Domalguda, Hyderabad, in S. No. 192, M. No. 1-2-212/1/C/1, registered vide Doc. No. 213/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 221/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Port 10-2-287/A situated at A.G. Guards, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Tahera Sayeed,
W/o Brig. Sayeed,
H. No. 10-2-287/A at A.C. Guards,
Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri P. Periyaswamy,
S/o Sri Perpetham Chettiar
H. No. 10-2-287/A at A.C. Guard,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of building M. No. 10-2-287/A at A.C. Guards, Hyderabad, registered vide Doc. No. 217/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 222/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938/R-14, 15 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Sri Krishna Construction Co.,
5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.
Represented by Kailash Charan
H. No. 8-2-626 6 Road No. 1
Banjara Hills, Hyderabad.
2. Raj Kumar,
R/o 3-2-350 Chappal Bazar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Kutubunnisa alias Mrs. Quayoom Arifuddin,
H. No. 4-1-938/R-14 and 15 (4th floor)
Krishna Complex, Tilak Road,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing M. No. 4-1-938 R-14 and 15 in 4th floor in premises known as Krishna Complex, Tilak Road, Hyderabad, registered vide Document No. 479/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Syed Mohd Abid Hussain,
R/o 6-3-1086 at Somajiguda, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(2) Sri A. Ramachandra Rao,
6-3-1089/B, Somajiguda, Hyderabad.
(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 223/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
No. 6-3-1086/1 situated at Somajiguda, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Hyderabad on January, 1979
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Premises M. No. 6-3-1086/1 900 Sq. Mts. at Rajbhawan
Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 234/79 in the
office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Sri Y. Malikarjuna Prasad,
R/o 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(2) Dr. S. Bala Parmeshwara Rao,
H. No. 3-4-875/2 at Barkatpura,
Hyderabad.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 224/79-80.—Whereas, I. K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 6 situated at 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Plot No. 6 in the premises M. No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, admeasuring 509 Sq. Yds., registered vide Doc. No. 114/79 in the Office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-9-1979

Seal :

*[Strike off where not applicable]

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 225/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-3-1218/6 situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khairtabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—
23—286GI/79

(1) Smt. Zaiba Farzana
W/o Mohd. Jawad Farooqui
H. No. 10-3-304/12 at Himayatnagar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Ayesha Mannan alias Kareemunnisa Begum,
W/o Mohd. Abdul Mannan,
R/o 11-5-132 at Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building M. No. 6-3-1218/6/2 admeasuring 225 Sq. Yds. at Umanagar Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 98/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Y. Mallikharjuna Prasad,
R/o 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sri Metta Manohar Rao,
R/o 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC. No. 226/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-3-1111 plot situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot in premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, admeasuring 371.5 Sq. Yards, registered vide Doc. No. 214/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Y. Mallikharjuna Prasad,
R/o Challapally House, Begumpet,
Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 227/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-1111, situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Mohd. Yousuffuddin, H. No. 6-3-1111-Begumpet, Hyderabad (H. No. 6-3-1199/A Begumpet).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA. of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 895 Sq. Yds. in the premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 220/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 228/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 40 situated at 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Y. Mallikarjuna Prasad,
H. No. 6-3-1111 Begumpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) G. Mohan Rao,
S/o Ramgopal Rao,
H. No. 3-1-100/D at Kureemnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11 in the premises M. No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 227/79 in the Sub-Registrar office, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri M. Mallikharjuna Prasad,
R/o Challapally House, Begumpet,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Y. Savitri Devi,
(C/o Y. Vijaya Kumar),
H. No. 3-5-911/B at Himayatnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 229/79-80.—Whereas I, K. K. VEER,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
6-3-1111 Plot.

situated at 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad
Khairtabad on January 1979

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Khairtabad on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the par-
ties has not been truly stated in the said instrument of trans-
fer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plots Nos. 19, 20, & 21 admeasuring 1133.5 Sq. Yds in
the premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, regis-
tered vide Doc. No. 245/79 in the office of the Sub-Regis-
trar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Date : 18-9-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Y. Mallikharjuna Prasad,
6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Thirumalesh H. No.
6-3-1110 at Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 230/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Port 6-3-1111, situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 341.25 Sq. Yds. in the premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 248/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Y. Mallikharjuna Prasad,
R/o Challapally House, Begumpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Nadira Sultana,
H. No. 6-3-1111 at Begumpet,
Hyderabad.
(Present address at Malakpet, Hyderabad)

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 231/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 17

situated at 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, Plot No. 17 admeasuring 528 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 281/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 232/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port 10-2-67, situated at East Maredpally, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Jammuna Bai, R. Dube and Ravinder Dube, & others,
H. No. 11-1-461 at Sithapalmandi,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) D. Umasankar,
H. No. 10-3-134, East Maredpally,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of H. No. 10-2-67 at East Maredpally, Secunderabad, registered vide Doc. No. 4/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Premji Khestshi,
2. Smt. Narbata Premji, Khestshi,
H. No. 4-4-826 at K. S. Lane,
Sultan Bazar,
Hyderabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri Kanayalal,
H. No. 5-9-22/57 at Adarshnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 233/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

lands S. No. 609 & 633,
situated at Amberpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on January 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land in Survey No. 609 and 633, situated at Amberpet Kalan village, 9 Acres. 19 Guntas, Hyderabad, registered vide Document No. 486/79 in the office of the Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—286GI/79

Date : 18-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 234/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 6/1, situated at Gaganmahal, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri G. T. V. Ranga Charyulu,
S/o late G. L. N. Charyulu,
R/o Srirangapuram Villg, Tenali-Tq,
Guntur Dist.
2. Sri G.T.V. Lakshmi Narasimham,
3. Sri G.T.V. Sriranga Madhu Srinivas,
(Sons)

(Transferors)

- (2) Sri Chodavarapu Bala Mouli,
1-2-6 at Gaganmahal Colony, Domalguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S. 6/1 in Gaganmahal Co-operative Development Society Domalguda, Hyderabad, admeasuring 464 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 96/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 235/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of Land situated at Rahmat Bagh, Kachiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mahmooda Bee, alias Yousuffinnisa Begum, W/o Safdar Khan, H. No. 17-3-434/3 at Yakut-pura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bhagvati Prasad, H. No. 3-5-170/A/9 Narayanguda, Hyderabad-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land 647 Sq. Yds. (17/105—share) survey No. 7 at Rahmatbagh, Opposit to Police station Kachiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 53/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 236/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

open land, situated at Yousufguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri B. Jangaiah,
s/o Sonayya, and others,
R/o Yousufguda, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Salbaba Co-operative Housing Society Ltd.,
R/o Goshamahal, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land One acre, situated at Yousufguda, Hyderabad, registered vide Document No. 126/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979

Seal :

FORM TINS

(1) Sri R. Gandiah & others,
R/o Yousufguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Sai Baba Co-operative Housing Society Ltd.,
TAB 197/77 Goshamahal, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 237/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land S. No. 14, 15,

situated at Yousufguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairatabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land One Acre survey No. 14 and 5 at Yousufguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 124/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1979

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Sri B. Rajalah, S/o Sayanna,
& 15 others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Saibaba Co-operative Society, Ltd.,
T.A.B. No. 197/77 at Goshamahal,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 238/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open land No.

situated at Yousufguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land One Acre, situated at Yousufguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 125/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Siddiqua Tabassum, H. No. 10-3-304/12 at Humayunnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri G. Gunasagar & Smt. G. V. Subbalakshmi Sagar, "Goteti Nursing Home" Galivari St. Bhimavaram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 239/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-4-636 situated at A.C. Guards, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad in January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

New Double storeyed house M. No. 11-4-636 A.C. Guard, Hyderabad, registered vide Doc. No. 76/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 240/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot B-7 is situated at Block III, Industrial area Uppal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Eastern Commercial and Industrial Enterprises Pvt. Ltd., Represented by Sri Mohan Singh, 154 at Raj Mahal Village Extn. Bangalore-560006.

(Transferor)

(2) M/s R. N. Filters Pvt. Ltd., Represented by the Director Sri R. Niranja Reddy, H. No. 8-3-1079/1 at Sreenagar Colony, Hyderabad. (B-7 Uppal Industrial Area, Hyderabad-39).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The incomplete Building plot No. B-7 Block No. III, at Uppal Industrial area of 5 Acres, at Uppal Industrial area Hyderabad, registered vide Doc. No. 240/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Y. Mallikarjuna Prasad, R/o Challapally, House, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Andhra Pradesh Karunecgar Sangham, Regt. No. 642/1976 Secretary, U. Jayaraman, R/o Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 241/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-1111 situated at Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
25—286GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 23 in M. No. 6-3-1111 area 481 Sq. Yds. situated at Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 238/79 in the Office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 242/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agr. land S. No. situated at 7/B at Saroonagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri V. Basava Raju H. No. 3-6-693 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Vysya Graduates Co-operative Housing Society Ltd., H. No. 6-1-91 at Vasavi Nagar, Secretariat Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12.00 Acre. in survey No. 7/B at Saroonagar, Village Hyderabad-East, registered vide Doc. No. 785/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979.
Seal :

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 243/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, **having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-** and bearing No. 8-2-402 situated at Road No. 5 Banjara Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Najima Ansari Alias Najimunnisa Begum, W/o Hamid Ansari, 8-2-466/1 at Road No. 4 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master B. Balakrishna (Minor) guardian Sri B. Ramaswamy, H No. 8-2-402 Road No. 5 at Banjara Hills, Hyderabad

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2.
[Person(s) in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-2-402 at Road No. 5 Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 263/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18.9.1979.

Seal :

FORM IINS—

(1) Smt. Najima Ansari alias, Najimunnisa Begum, W/o Sri Hamid Ansari, H. No. 8-2-466/1 at Road No. 1 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. B. Saroja, W/o Sri B. Ramaswamy, M/s Adarsh Builders, H. No. 8-2-402 at Road, No. 5 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 244/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-2-402 situated at Road No. 5 at Banjara Hills, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of premises H. No. 8-2-402 at Road No. 5 Banjara Hills, Hyderabad, open land admeasuring 1675 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 264/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Rai Keshav Pershad Kapoor, s/o Kishen Pershad,
8-1-328, Sheikpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Mohd. Muneeruddin, s/o Mohd. Shamsuddin,
5-9-841, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. 245/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-4-636 situated at Saifabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House bearing No. 11-4-636 situated at Saifabad, Hyderabad registered through document No. 102/1979 in the office of the Joint-Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1979

Ref. No. RAC No. 246/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-589 situated at Gunfoundry, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri Mohd. Abdul Moqueem, through G.P.A., Ghulam Naseeruddin, 5-9-589, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Rafiuddin Ahmed, s/o Ghulam Naseeruddin, 5-9-589, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 5-9-589 at Gunfoundry, Hyderabad registered through document No. 26/79 at the Joint-Sub-Registrar's office, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-9-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 247/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-8-60 situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Captain M. Upender, S/o Ramappa, 2. M. Raghyender, (G.P.A. Sri M. Ramappa) 3. Ravishankar, all residing at H. No. 1-8-60 Chikkadpally, Hyderabad.
(Transferor)

- (2) Smt. Raparti Jagadamba W/o R. Venkata Swamy, H. No. 1-8-30 at Chikkadpally, Hyderabad.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House Part B-M No. 1-8-60 at Chikkadpally Hyderabad, including open land of 364 Sq. Yds, registered vide Doc. No. 411/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979.
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1979

Ref. No. RAC. No. 248/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-60 situated at Chikadpally, Hyderabad Por-A, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Captain M. Upendar, S/o M. Ramappa,
2. M. Raghavender, S/o M. Ramappa (G.P.A. holder).
3. M. Ravishankar, S/o M. Ramappa, all residing H. No. 1-8-60 at Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Raparthy Jana Bai, W/o R. Kistaiah, H. No. 1-1-336/2/1 at Viveknagar, Chikadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-Portion of the H. No. 1-8-60 at Chikkadpally, Hyderabad including the open land of 258 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 412/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-9-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I

4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC[Acq-I|SR-III|Jan-I(59)|78-79|740.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land No. 276/2, situated at Village Gadaipur, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12-1-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mange Ram s/o Sh. Budh Ram r/o 35 Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bahadur Singh s/o Bishan Singh, R/o Gadaipur, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 3 bighas 16 biswas situated at K. No.276/2, Village Gadaipur, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date 22-9-79

Seal

